

कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में जी-राम-जी से गांवों में विकास को मिली नई रफ्तार

रोजगार के साथ जल संरक्षण और स्थायी परिसंपत्तियों पर जोर, एसएनए से 48।0.11 लाख रुपये मजदूरी का भुगतान, 866 कार्यों को प्रशासनिक स्वीकृति

नई दृष्टिविंदु / दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) अर्थात जी-राम-जी के तहत जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, जल संरक्षण और ग्रामीण विकास के कार्यों को नई गति मिली है। योजना के अंतर्गत मजदूरी भुगतान की प्रक्रिया को एसएनए (सिंगल नोडल अकाउंट) के माध्यम से समन्वय और पारदर्शी बनाया गया है। जिले में अब तक 48।0.11 लाख रुपये की मजदूरी राशि का भुगतान किया जा चुका है। यह राशि सीधे मजदूरों के बैंक अथवा डाकघर खातों में डीबीटी के माध्यम से भेजी जा रही है।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि नई व्यवस्था के तहत प्रत्येक ग्रामीण परिवार को एक वर्ष में 125 दिनों तक रोजगार की गारंटी मिलेगी। ग्रामीण परिवार ग्राम



मिर्माणी भी हो रहा है।

तीनों जनवर्षों में एसएनए से मजदूरी भुगतान: जी-राम-जी के तहत जनपद पंचायत पाटन में 1766.72 लाख रुपये, धमधा में 1375.96

लाख रुपये और दुर्ग में 1579.60 लाख रुपये की मजदूरी राशि का भुगतान किया गया है। एसएनए के माध्यम से भुगतान होने से मजदूरों को राशि सीधे उनके खातों में प्राप्त हो रही है, जिससे भुगतान

प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और सुविधाजनक बनी है।

866 निर्माण कार्यों को मिली प्रशासनिक स्वीकृति: जी-राम-जी लागू होने के बाद जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। योजना के तहत जिले में 866 निर्माण कार्यों को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। इनमें जनपद पंचायत दुर्ग के 210, धमधा के 353 और पाटन के 303 कार्य शामिल हैं।

रोजगार के साथ गांवों में तेवर हो भी टिकाऊ परिसंपत्तियां: इन कार्यों का उद्देश्य केवल ग्रामीण परिवारों को मजदूरी आधारित रोजगार उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि गांवों में ऐसी स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण करना भी है, जो आगे वाले वर्षों में जल संरक्षण, आजीविका संवर्धन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में उपयोगी

साबित होंगी। तालाब निर्माण एवं गहरीकरण, नाला-नाली, डबरी और ट्रेन्च जैसे कार्यों से वर्षा जल संचयन, भूजल संवर्धन और कृषि गतिविधियों को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। वहीं बालिका शौचालय, आंगनवाड़ी भवन और स्कूलों में अतिरिक्त कक्ष जैसे कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रों में आवश्यक सामाजिक अधोसंरचना को मजबूती मिलेगी। वृक्षारोपण कार्यों से पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में जिले में जी-राम-जी के कार्यों की निगरिमत समीक्षा एवं निगरानी की जा रही है, ताकि स्वीकृत कार्य निर्यात समय-सीमा में गुणवत्तापूर्वक पूर्ण हों। योजना के माध्यम से ग्रामीण परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ गांवों में ऐसी परिसंपत्तियां विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है, जिनका लाभ ग्रामीणों को लंबे समय तक मिलता रहे।

खास खबर

रातभर की बारिश से दुर्ग बेहाल, नाले जाम और घर-दुकानों में घुसा पानी; अरुण वोरा ने मौके पर पहुंचकर प्रशासन को किया अलर्ट



रात से हो रही लगातार बारिश के बाद शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति को देखते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधायक अरुण वोरा जनता की परेशानी जानने के लिए नगर के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचे। सिस्कोलाबाद, शक्ति नगर, शंकर नगर, बोयरी, विद्युत नगर और करिंदहा सहित कई इलाकों में नालियां और नाले जाम होने से सड़कें पानी में डूब गईं और घरों एवं दुकानों में पानी घुसने से लोगों को भारी नुक्सान उठाना पड़ा। रातभर हुई बारिश के कारण कई परिवारों में डर का माहौल बना रहा। लोगों ने बताया कि पानी बारिश के चलते वे पूरी रात ठीक से सो नहीं सके। वहीं दुकानों में पानी घुसने से सामान खराब होने और व्यापारियों को आर्थिक नुकसान की स्थिति बनी।

मौके का जायजा लेते हुए अरुण वोरा ने कहा कि हर साल बारिश के दौरान शहर में यही हालात बन रहे हैं, लेकिन प्रशासन स्थायी समाधान करने के बजाय बारिश आने का इंतजार करता दिखाई देता है। नालों की समय पर सफाई नहीं होने और जल निकासी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने का खामियाजा आम जनता को भुगताना पड़ रहा है।

उन्होंने कलेक्टर एवं नगर निगम आयुक्त को तत्काल अलर्ट करते हुए जलभराव वाले क्षेत्रों में बुद्धरत्न पर पानी निकासी, नालों की सफाई और प्रभावित लोगों की मदद सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि प्रशासन को केवल कार्यालयों में बैठकर स्थिति की समीक्षा करने के बजाय मैदानी स्तर पर उत्तरकर जनता की समस्या का समाधान करना चाहिए। श्री वोरा ने कहा कि यह दूसरी बार है जब बारिश ने शहर की बहालवा जल निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी है। यह समय रहते स्थायी व्यवस्था नहीं की गई तो आने वाले दिनों में भारी बारिश के दौरान स्थिति और गंभीर हो सकती है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि जलभराव वाले क्षेत्रों में जल निकासी के जो फिनिश कर तत्काल राहत एवं जल निकासी की व्यवस्था की जाए तथा नालों की सफाई और ड्रेनेज सिस्टम की खामियों को दूर करने के लिए स्थायी कार्ययोजना बनाई जाए।

ऐप से स्लॉट बुक कर श्रद्धालुओं ने किया विसर्जन अब तक 638 गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन

भिलाई:। नगर निगम भिलाई ने व्यवस्थित विसर्जन के लिए ऐप के माध्यम से स्लॉट बुक करने की सुविधा दी थी। श्रद्धालुओं ने समय निर्धारित कर विभिन्न तालाबों में प्रतिमाओं का विसर्जन किया।

अब तक की स्थिति: - जैन 01: 46 प्रतिमा (मेलवा 16, आमा 11, आलवद 09, आर्यनगर 10), जैन 02: 103 प्रतिमा (शीला सुपेला 21, शीतला कुरुद 22, नकत 29, शिवशक्ति 19, मुक्तिधाम रामनगर 12), जैन 03: सेक्टर-02 तालाब - 61, जैन 04: दर्रा तालाब - 28, जैन 05: 400 प्रतिमा (जयंती टेडिडम 228, महाकालेश्वर 50, हुडको 122) कुल 638 प्रतिमाओं का विसर्जन दर्ज किया गया है। निगम ने सफाई सहित व्यवस्था सुनिश्चित की है और निर्धारित स्थलों पर ही विसर्जन की अपील की है।



गुंडरदेही में विशाल रक्तदान शिविर, 85 यूनिट रक्तदान

120 लोगों ने कराया पंजीयन, महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

नई दृष्टिविंदु / मिलाई-दुर्ग

संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन दुर्ग-भिलाई द्वारा मानव सेवा एवं जनकल्याण की भावना से गुंडरदेही में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 120 रक्तदाताओं ने पंजीयन कराया, जिनमें 71 पुरुष और 14 महिलाएं शामिल थीं। इसमें से कुल 85 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर जरूरतमंदों की मदद के लिए अपना योगदान दिया। महिलाओं ने भी उत्साहपूर्वक रक्तदान में सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष गुंडरदेही कुंवर सिंह निषाद, जिला पंचायत वालोद अध्यक्ष तारिणीप्रेम चंद्रकार, पूर्व विधायक वीरेंद्र कुमार साहू, पूर्व जनपद पंचायत अध्यक्ष सुविधा हेमंत साहू, तहसील साहू संप्र गुंडरदेही के उपाध्यक्ष हेमंत साहू, जनपद पंचायत सदस्य गुलशन साहू, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता केशवाम साहू, सीएमओ कमल ठाकुर सहित

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने गुंडा बदमाश को किया एक वर्ष के लिए जिला बदर

सीमावर्ती जिलों की सीमाओं से एक वर्ष की अवधि तक बाहर रहने के आदेश

नई दृष्टिविंदु / दुर्ग

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी अभिजीत सिंह ने गुंडा बदमाश मनीष मांडले के आपराधिक आचरण एवं गतिविधियों पर नियंत्रण किए जाने तथा क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5 के अंतर्गत जिलाबदर की सख्त कार्यवाही की है।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सिंह द्वारा जारी आदेशानुसार अनावेदक मनीष मांडले पिता यशवंत मांडले, निवासी नागदेवला चौक नगपुरा की नगपुरा, पाना पुरलगांव, जिला दुर्ग (छ.ग.) को राजव्य जिला दुर्ग एवं उसके सीमावर्ती जिलों रायपुर, बेमेतरा, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, कुमनगढ़वा, बालोद एवं धमतरी जिलों की सीमाओं से आदेश पारित होने की तिथि से एक सप्ताह के भीतर बाहर चले जाने निर्देशित किया गया है। साथ ही बदमाश मनीष मांडले को आदेश पारित तिथि 24 सितम्बर 2026 से एक वर्ष की अवधि तक उक्त जिलों की सीमाओं में जिला दण्डाधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना प्रवेश करने पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाया गया है।

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री सिंह द्वारा आदेश पारित करने के पूर्व प्रकरण में संलग्न वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग के निवेदन, पाना पुरलगांव से प्राप्त नकल जरायम तथा संलग्न सम्यक दस्तावेजों, अनावेदक के प्रत्युत जवाब, अभियोजन साक्ष्यों के अभिलिखित कथन का अवलोकन एवं परीक्षण किया गया है। प्रस्तुत प्रतिवेदन और नकल जरायम के अवलोकन में पाया गया कि अनावेदक के विरुद्ध वर्ष 2013 से वर्तमान वर्ष तक 07 अपराध भा.द.वि. तथा बीएनएस एवं 01 अपराध आबकारी अधिनियम के अंतर्गत दर्ज है। जो व्यवस्क व्यक्तियों के साथ मारपीट, नाबालिक के मारपीट, महिला के साथ छेड़छाड़ व मारपीट, अवैध शराब आदि से

संबंधित है। इससे यह स्पष्ट होता है कि अनावेदक आदतन अपराधी भी है। अनावेदक के ऊपर नियंत्रण निगरानी रखे जाने हेतु उसे थाना के गुंडा बदमाश सूची में शामिल किया गया है। उक्त अवधि में अनावेदक के विरुद्ध अब तक 13 बार इस्तगता भी एसडीएम न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। इतना ही नहीं अनावेदक को पूर्व में जिला दंडाधिकारी दुर्ग द्वारा वर्ष 2018 में जिला बदर भी किया गया था। परन्तु इतनी प्रतिबंधात्मक एवं अभियोजन कार्यवाही के

उपरांत भी अनावेदक की आदतों में सुधार नहीं हुआ है। अनावेदक के व्यवहार से सामान्य नागरिक इनके विरुद्ध प्रयत्न करने एवं न्यायालय में साक्ष्य देने से घबराते हैं। अल्पव्र क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अनावेदक के स्वयंजित विचरणा तथा अपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण हेतु कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी द्वारा 24 सितम्बर 2026 को यह आदेश पारित कर बदमाश मनीष मांडले के विरुद्ध एक वर्ष की अवधि के लिए जिला बदर की सख्त कार्यवाही की गई है।

शक्ति नगर वार्ड-18 में आयोजित हुआ आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शक्ति नगर वार्ड-18 स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष महिला मौला संधुनंद गृति वंदनकर, कपडाईसी सदस्य उदयनारायण चंद्रकार एवं महिला मौला अश्वथ अंजु विहारी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बच्चों के लिए एचडी ईसा एवं गोली-वमप खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें कुल 25 बच्चों ने भाग लिया। महिलाओं के लिए बिंदी लालो प्रतियोगिता भी कराई गई, जिसमें प्राणेश चौधरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों का दान एवं स्वास्थ्य परीक्षा किया गया।। स्वस्थ बच्चों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।। मर्मती महिला डेनिस सायका की गोदभरई की रसम तथा 6 माह पूर्ण कर चुकी दिशिका साय का अन्नाग्रसन कराया गया।। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को पौषण एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी गई। एसएनए गुणा दर्मा जिला स्वास्थ्य प्रोक्षणा एवं टीबी स्क्रीनिंग की गई। कार्यक्रम में 8 गर्भवती महिलाएं, 5 किशोरी बालिकाएं तथा 21 अन्य महिला इतिहासी उपस्थित रही।। वार्ड-18 समिति के उपाध्यक्ष नरेश सिन्हा द्वारा 24 बच्चों को रीती भोज कराया गया। कार्यक्रम के अंत में बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए गए तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका एवं मितांनिका सम्मान किया गया।। स्वराष्ट्राध्यक्ष के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।।

अमृत सरोवरों में गूंजेगा स्वच्छता का संदेश, श्रमदान से संवरेगा गांवों का जल-सरोवर

नई दृष्टिविंदु / दुर्ग

स्वच्छता के जलआंदोलन का स्वरूप देने, जनस्रोतों के संरक्षण और ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यावरणीय चेतना को मजबूत करने के उद्देश्य से जिले में स्वच्छता ही सेवा अभियान-2026 का आयोजन किया जा रहा है। 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले इस अभियान के दौरान जिले के अमृत सरोवर स्थलों पर स्वच्छता, सामूहिक श्रमदान, जल संरक्षण, पौधरोपण और जनजागरूकता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

अभियान का मुख्य विषय स्वच्छता में जनभागीदारी, स्वच्छ भारत, विकसित भारत रखना गया है। कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत रॉईओ बजरंग कुमार दुबे के निदेशन में ग्राम पंचायत स्तर पर जनप्रतिनिधियों, स्व-सहायता समूहों, युवाओं, विद्यार्थियों और ग्रामीणों की सक्रिय

भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। अमृत सरोवरों को स्वच्छ, सुंदर और उपयोगी सामुदायिक स्थलों के रूप में विकसित करने के साथ इनके नियमित रखरखाव पर भी जोर दिया जाएगा। अभियान के दौरान अमृत सरोवरों के साथ उदक आसपास के क्षेत्रों, पड़ोस मानी और सार्वजनिक स्थलों की सफाई-सफाई के लिए सामूहिक श्रमदान किया जाएगा। जल निकायों के पुनर्निर्माण और संरक्षण से जुड़ी जनभागीदारी आधारित गतिविधियां भी आयोजित होंगी। इसके माध्यम से ग्रामीणों में अपने गांव के जलस्रोतों के प्रति जिम्मेदारी और स्वामित्व की भावना को मजबूत किया जाएगा।

एक पड़ोस में एक सेवापर्वोत्सव संज्ञा का संदेश: स्वच्छ किए गए अमृत सरोवर परिसरों एवं अन्य उपयुक्त स्थानों पर एक पड़ोस में नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया जाएगा। जलस्रोतों के आसपास हरित क्षेत्र



विकसित करने के साथ पौधों के संरक्षण, स्वच्छता, जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन और पर्यावरण संरक्षण का संदेश गांव-गांव तक पहुंचाया जाएगा।

अभियान के तहत 1 अक्टूबर को एक दिन, एक चंद्र, एक साथ पहल आयोजित की जाएगी। जिले के अमृत सरोवर स्थलों पर सामूहिक स्वीच्छता श्रमदान एवं स्वच्छता गतिविधियों की जाएंगी। इसमें अधिक से

अधिक ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों, महिला स्व-सहायता समूहों, युवाओं और विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। 2 अक्टूबर, स्वच्छ भारत दिवस के अवसर पर ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष प्रशासन सभाओं का आयोजन किया जाएगा। ग्राम सभाओं में अभियान की गतिविधियों, दोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026, अमृत सरोवरों की नियमित स्वच्छता एवं रखरखाव तथा जल संरक्षण से जुड़े विषयों पर चर्चा की जाएगी। अभियान का उद्देश्य अमृत सरोवरों को केवल जल संप्रदाह के स्थल तक सीमित न रहने हुए उन्हें जल संरक्षण, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता के स्थायी केंद्र के रूप में विकसित करना है। ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी से इन जलस्रोतों की स्वच्छता, साफ़ता और निरंतर रखरखाव को निरंतर बनाए रखने की दिशा में भी ठोस पहल की जाएगी।

ग्राम देवरी, पिटौरा और भिंभौरी में ग्रामीण महिलाओं ने निकाली भव्य स्वच्छता रैली

नई दृष्टिविंदु / दुर्ग

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सेवा मेरा योगदान के तहत दुर्ग जिले के जनपद पंचायत धमधा के ग्राम पंचायत देवरी, ग्राम पिटौरा और ग्राम भिंभौरी में ग्रामीण महिलाओं द्वारा स्वच्छता रैली का आयोजन किया गया। जिले की सभी 381 ग्राम पंचायतों में यह अभियान पूर्ण जनभागीदारी के साथ संचालित किया गया।

इस राष्ट्रव्यापी अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता को केवल एक सरकारी कार्यक्रम न रहकर जन-आंदोलन का रूप देना है, जिससे सार्वजनिक स्थलों, जलस्रोतों व परिवेश को स्वच्छ एवं सुंदर बनाया जा सके। आज आयोजित इस रैली के दौरान ग्रामीण



स्वच्छ, सुंदर और स्वास्थ्यप्रद बनाए रखने के लिए सक्रिय किया गया। जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे इस प्रभावी बदलाव अभियान के ग्रामीण अंशों में स्वच्छता के प्रति एक नई चेतना जागृत हो रही है, जिससे स्वस्थ और सुंदर गांवों के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो रहा है।

संपादकीय

सीईसी ज्ञानेश कुमार विवाद महाभियोग की तैयारी क्या बैकफुट पर है सरकार ?

देश में निष्पक्ष चुनाव कराने वाली संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इस समय सबसे बड़े राजनीतिक विवाद के केंद्र में हैं। वोटर लिस्ट के विशेष पदवीक्षण रख्म विपक्ष से नोकझोंक और अंदरूनी मतभेदों के आरोपों ने आयोग की साख पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

आलोचक (तयारी) नईदिल्ली

सड़क से संसद तक विरोध, महाभियोग की तैयारी

कोर्रस, य्थ कोर्रस और वाम छात्र संगठनों ने निर्वाचन सदन के बाहर प्रदर्शन कर CEC के इस्तीफे की मांग की। य्थ कोर्रस कार्यकर्ताओं ने मुखौटे पहनकर विरोध जताया। CJP संगठन ने 2 अक्टूबर से मुंबई से देशव्यापी आंदोलन का अट्टीमेंट दिया है। विपक्ष अब संसद में CEC के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की रणनीति बना रहा है।

विवादित बयान और 'गेट लॉस्ट' कांड

राहुल गांधी के आरोपों पर CEC का "हलफनामा दे या माफी मांगें" वाला बयान और TMC प्रतिनिधिमंडल से बैठक में कथित "Get Lost" कहने के आरोप ने विवाद को हवा दी।

NDA के भीतर से उठे सवाल

विपक्ष के साथ अब NDA सहयोगी भी स्पष्टीकरण मांग रहे हैं। चिराम पासवान (LJP-RV): अगर एक भी नागरिक के मन में भ्रम है तो उसे दूर करना उरत की जिम्मेदारी है। टुकर कुशवाहा (RLM): जो चिंताएं सामने आ रही हैं, आयोग को स्पष्टि स्पष्ट करनी चाहिए।

TDP: पार्टीस्टीन की हो जनता का भरोसा मजबूत होगा। इधर BJP नेता CEC का बयान कर रहे हैं। बंगाल भाजपा अध्यक्ष श्रमिक भट्टनायक ने पंचभूषण और असम CM हिमंतला विश्व शर्मा ने भारत रत्न तक की मांग कर दी, जिससे टकराव और बढ़ गया।

'VIP वोट' और SII पर नया घमासान

रिपोर्टर्स क्लबक्विव के खुलासे में BLO ऐन में 'Mark VIP' फीचर का दावा है, जिसमें मंत्री, सांसद, जज की वैरिफिकेशन में प्राथमिकता मिलेगी। विपक्ष ने इसे "एक व्यक्ति, एक वोट" के सिद्धांत का उल्लंघन बताया। SII के आंकड़ों ने चिंता बढ़ाई है - झार्ष लिस्ट से 13 करोड़ और अंतिम सूची में 5.5 करोड़ से अधिक नाम हटने का दावा, बंगाल में 27 लाख नाम कटने के खिलाफ 22 लाख लोगों ने ट्विटरलत में अपील की है।

आयोग में अंदरूनी दरार और गायब CEC ?

रिपोरटर्स के मुताबिक तो अन्य आयुक्तों संघु और जोशी ने बैठकों के एजेंडे-मिनेट्स न साझा करने और SII फॉर्म-6 में बदलाव जैसे फैसले बिना सहमति के लेने पर केविनेट सेक्रेटरी को पत्र लिखा है। इस बीच उरत के 25 और 28 सितंबर के मेरट और वारप्राप्सी के युवा संचार कार्यक्रम रद होए पर पत्र खंडे ने तंज कसा कि विरोध के डर से दोर कर हूआ। विरोधकों के मुताबिक राजनीतिक नैरिटिव अब विपक्ष सेट कर रहा है। यशोवर्धन आजाद और आलोचक जोशी जैसे विश्लेषकों का कहना है कि आयोग को खुद सामने आकर जवाब देना होगा, वरना 5 राष्ों के चुनावों से पहले साख का संकट और गहराएगा।

कविता का कोना

एकता की शक्ति



आवाज उठाओ, आवाज उठाओ, एकता की आवाज उठाओ, बदती जाए एकता, हर मुकौल को दूर भगाओ।

एकता में बहुत शक्ति है, मिलन-जुलकर जब कदम बढ़े, हर रङ हमारी अपनी है।

सफलताओं का समुद्र भी हम मिलकर पार कर लेते हैं, श्रीरामदेवी जी की सेवा का आदर्श हृदय में धर लेते हैं।

जिसने सिखाया एकता का पाठ, जिसने जग को राह दिखाई,

बानर सेना ने साथ दिया तो समुद्र भी राह बनाई।

जब भगवान को जरूरत पड़ी साक्षात् और सहायता की, फिर ईशान जी क्या ओलावा बिना एक-दुसरे के सहयोग की ?

आज भी मिल-जुलकर प्रेम बढ़ाएं, मन से मन का मेल मिलाएं, अपने घर-आपने को रखें रखें, मिलकर एकता को सुंदर बनाएं।

मां भारती के इना आगम को खसके-सुंदर हम सब साजएं, गांव-शहर और गली-मौल्ले मिलकर खसके प्रेम बनाएं।

आवाज उठाओ, आवाज उठाओ, साखता की आवाज उठाओ, एकता, सेवा, प्रेम के संग भारत की सुंदर बनाओ।

कविनी : मन्नादुवे शिलाई छतीसगढ़

डिजिटल युद्ध के झांसे में युवा वर्ग

सुरेश हिंदुस्तानी

कहा जाता है कि किसी भी व्यक्ति या समाज को उद्देश्य विहीन करने के लिए उसको किसी विषय में ऐसा उलझा दिया जाए, जो उसकी दिशा को बदल दे। आज सोशल मीडिया पर बहुत बड़े धमामे पर यही खेल चल रहा है। तर्कों और कुतर्कों के सहारे नैरिटिव गण्डन का यह प्रयास निश्चित ही देश के लिए घातक ही कहा जाएगा। आज सोशल मीडिया ही नहीं, बल्कि राजनीतिक प्रचार में भी यह बात गहरे तक दिखाई देती है। समाज को इससे निकलने का प्रयास करना चाहिए, नहीं तो आने वाला समय अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने जैसा ही होगा। खास बात यह है कि इस नैरिटिव को युवा वर्ग और समाज के बीच ले जाने का कार्य कुछ राजनीतिक दल के नेता कर रहे हैं। आज नैरिटिव चलाने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग भी किया जा रहा है। जो एक प्रकार से युद्ध के रूप ले चुका है। आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग समाज में भेद पैदा करने और युवाओं के मानस को भ्रमित करने के लिए किया जा रहा है।

वर्तमान समय में देश में युद्ध का स्वरूप बदल चुका है। इसके साथ ही यह सत्य है कि किसी भी देश को समाज काना हो तो वहां की युवा पीढ़ी को गुमराह कर दीजिए। वह देश स्वतः ही समाप्त हो जाएगा। इस खेल वामपंथी ताकतें आग में भी डालने का काम कर रही हैं। युवाओं के मध्य यह नैरिटिव स्थापित करने का खेल इसलिए भी किया जा रहा है, क्योंकि युवाओं का मन एक इसलिए की तरह होता है, उसे जो बताया जाएगा, उसी को सत्य मान लेता है। यह खेल युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने जैसा हो है। इसलिए ऐसे किसी भी कृत्य से बहुत सावधान रहने की आवश्यकता है।

यह एक ऐसा युद्ध है, जिसकी कोई सीमा दिखाई नहीं देती। यह युद्ध सूचनाओं, तस्वीरों, वीडियो, सोशल मीडिया पर और डिजिटल नैरिटिव के माध्यम से लड़ा जा रहा है। किसी देश की छवि को प्रभावित करना, उसकी संस्थाओं के प्रति अविश्वास पैदा करना और झूठ को



इतनी तेजी से फैलाना कि सत्य पीछे छूट जाए। डिजिटल युद्ध की यही सबसे गंभीर चुनौती है। आज सत्य पर प्रहार करने का प्रयास किया जा रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई के विस्तार ने इस खतरों को और जटिल बना दिया है। अगर एआई का उपयोग युवाओं को सार्विक दिशा देने के लिए किया जाए तो इसके अपेक्षित परिणाम भी मिल सकते हैं, लेकिन इसके लिए केवल सरकारी प्रयास ही काफी नहीं हैं, समाज के जागरण में सक्रिय संस्थाओं और व्यक्तियों को खुलकर सामने आना होगा।

आज किसी व्यक्ति के चेहरे और आवाज को बदलकर ऐसा वीडियो तैयार किया जा सकता है, जिसमें किसी वास्तविक घटना के साथ झूठा चित्रण जोड़कर उसका अर्थ बदल जा सकता है। यही वह बिंदु है जहां सूचना और झूठभार के बीच की रेखा धुंधली होने लगती है। हालांकि भारत सरकार ने भी डीजफेक और एआई जनित भ्रामक सामग्री को चुनौती को गंभीरता से लिया है। लेकिन झूठ की ताकत हमारी जटिलताओं से बढ़ती है। किसी दुश्मन का अंधकार को सफलता केवल उसे बनाने वाले पर निर्भर नहीं करती। उसकी असली

शक्ति उस समाज से आती है, जो बिना जांचे उसे आगे बढ़ाता है। एक सनसनीखेज शीर्षक दिखाई दिया, भावनाएं भड़की और व्यक्ति ने बिना सोच देखे उसे साझा कर दिया। कुछ ही मिनटों में वह सामग्री हजारों लोगों तक पहुंच जाती है। यहीं नागरिक की जिम्मेदारी शुरू होती है। सोशल मीडिया पर किसी संदेश को साझा करना अब केवल व्यक्तिगत प्रतिक्रिया नहीं रह गया है। प्रत्येक शेयर उस सूचना की विश्वसनीयता को बढ़ाता है। यदि सूचना गलत है तो अनजाने में किया गया साझा करना भी दुश्मन का गैरखला का हिस्सा बन जाता है। इसलिए डिजिटल नागरिकता का अर्थ केवल तकनीक का इस्तेमाल करना नहीं, बल्कि सूचना के प्रति विवेकपूर्ण व्यवहार करना है।

लोकतंत्र में प्रश्न पृष्ठना अधिकार है। सरकार की नीतियों की आलोचना अधिकार है। किसी व्यवस्था की कमियों को सामने लाना भी लोकतंत्रविक जिम्मेदारी है। लेकिन जानबूझकर झूठ गढ़ना, फर्जी सामग्री को वास्तविक बताना, हिंसा व वैमनस्य को उकसाना किसी भी ण्टि से उचित नहीं है। यह सारा खेल अभिव्यक्ति की

स्वतंत्रता के नाम पर किया जा रहा है। क्या इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कहा जा सकता है। झूठ परवाना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं माना जा सकता। क्योंकि झूठ को निर्बाध फैलने देना भी समाज के हित में नहीं है। पूर्व में संसद में भी डीजफेक और दुश्मन का लोकतंत्र हर लिए गंभीर चुनौती बताया गया है। लेकिन कानून हर झूठ को पैदा होने से नहीं रोक सकता। एक सामग्री हटाए जाने तक उसकी हजारों प्रतियां बन चुकी हो सकती हैं। इसलिए तकनीकी व्यवस्था के साथ सामाजिक जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है। इस लड़ाई में प्रत्येक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है। किसी भी संवेदनशील वीडियो को साझा करने से पहले उसके स्रोत की जांच करना, पुराने वीडियो को नए संदर्भ में तो नहीं दिखाया जा रहा है यह देखना, तस्वीरों और दावों की स्वतंत्र पुष्टि करना और संदिग्ध सामग्री की रिपोर्ट करना, ये छोटे कदम बड़े प्रभाव पैदा कर सकते हैं। समाज को केवल सरकारी फैक्ट-चेक का इंतजार नहीं करना चाहिए। विद्यालयों में डिजिटल साक्षरता, परिवारों में मीडिया साक्षरता और सामाजिक संगठनों द्वारा तथ्य-जांच की संस्कृति विकसित करना समय की मांग है।

भारत जैसे विशाल और विविधाभाषी देश में झूठी सूचना का प्रभाव केवल किसी व्यक्ति की छवि तक सीमित नहीं रहता। यह सामाजिक विश्वास को प्रभावित कर सकता है। इसलिए भारत के सामने चुनौती केवल यह नहीं है कि कोई बयान से क्या प्रचार कर रहा है। चुनौती यह भी है कि हम भीतर में उस प्रचार को कितनी आसानी से स्वीकार कर लेते हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम हर वास्तविक सूचना को सत्य मानने के बजाय प्रश्न पृष्ठें कि इसका स्रोत क्या है ? प्रमाण क्या है ? संदर्भ क्या है ? क्योंकि सूचना के इस युग में देश की सुरक्षा केवल सीमा पर खड़े जवान की जिम्मेदारी नहीं रह गई है। मोबाइल स्क्रीन के सामने बैठे प्रत्येक नागरिक भी इस सुरक्षा व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण प्रहरी है। भारत के विप्लव दलों नेले किसी भी दुश्मन का अभियान को अंतिम सफलता या असफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि भारतीय समाज झूठ को कितनी जल्दी पहचानती है और सत्य को कितनी मजबूती से आगे बढ़ाता है।

भारत में रोजगार का महत्वपूर्ण साधन है पर्यटन उद्योग

रमेश सरंगि घमोरा

देश के लिए बहुमुखी विदेशी मुद्रा की कमाई करने में पर्यटन उद्योग का अछूता खासा महत्व है। पर्यटन जिससे विमनी विहीन उद्योगों के नाम से भी जाना जाता हैं। आज लाखों लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध करा रहा है। भारत दुनिया के उन चुनिंदी देशों में से है जहां कलात्मक, धार्मिक और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर रश्मनीय स्थलों एवं कृतियों की कमी नहीं है। यही कारण है कि हजारों मील दूर रहने वाले विदेशी लोग भी पर्यटन के लिए यहां आने का लोभ छोड़ नहीं पाते हैं। यही नहीं देशी पर्यटक भी बड़ी तादाद में कश्मीर से लेकर कर्नाटका तक फैले देश के विभिन्न पर्यटन केंद्रों पर ररे खे जा सकते हैं।

विश्व पर्यटन दिवस मनाते का उद्देश्य वैश्विक उद्योग के रूप में पर्यटन के महत्व तथा इसके सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। विश्व पर्यटन दिवस मनाते से हमें पर्यटन के हम पर और हमारे आसपास की दुनिया पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलती है। इसमें विश्व पर में आर्थिक प्रभाव के साथ-साथ नैतिक, सामाजिक विचार भी शामिल हैं।

भारत में पर्यटन सबसे बड़ा सेवा उद्योग है। जहां इसका राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 6.23 प्रतिशत और भारत के कुल रोजगार में 8.78 प्रतिशत योगदान है। भारत में वार्षिक तौर पर 50 लाख विदेशी पर्यटकों का आगमन और 56 करोड़ घरेलू पर्यटकों द्वारा भ्रमण परिलक्षित होता है। विश्व पर्यटन दिवस एक वार्षिक आयोजन है। जिसका उद्देश्य वैश्विक उद्योग के रूप में पर्यटन के महत्व तथा इसके सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है।

संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) ने विश्व पर्यटन दिवस की स्थापना की। 1980 से हर साल 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस मनाया जाता है। इसी दिन यूनाइटेड नेशंस वर्ल्ड टूरिज्म ऑर्गनाइजेशन के कानूनों को अपनाया गया था। हर साल विश्व पर्यटन दिवस एक विशेष थीम के साथ मनाया जाता है। विश्व पर्यटन दिवस 2026 का आधिकारिक विषय (थीम) संयुक्त राष्ट्र पर्यटन के अनुसार पर्यटन क्षेत्र में डिजिटल परिवर्तन को अपनाना और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के एकीकरण को बढ़ावा देना है। यह विषय इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे



आधुनिक तकनीक और नवाचार मिलकर पर्यटन के भविष्य को अधिक आधुनिक, प्रसारकों और सुलभ बना रहे हैं।

विश्व यात्रा एवं पर्यटन परिषद (डब्ल्यूटीटीसी) की नवीनतम आर्थिक प्रभाव प्रवृत्ति रिपोर्ट के अनुसार भारत ने 2025 में विश्व की सबसे बड़ी अनुसंधान अर्थव्यवस्थाओं में अपने पिछले दसवें स्थान से 8वें स्थान पर एक महत्वपूर्ण छलांग लगाई है। रिपोर्ट में वैश्विक यात्रा क्षेत्र में भारत के बढ़ते कद पर प्रकाश डाला गया है और अनुमान है कि आले दशक में जाड़ चौथे स्थान पर होगा। भारत का पर्यटन क्षेत्र 2025 में 231.6 अरब डॉलर का योगदान देगा जो बुनियादी ढाँचे, विपणन और सेवा वितरण में मजबूत पुंछ और रणनीतिक विकास को दर्शाता है। यह बढ़ता रुझान एक वैश्विक पर्यटन के रूप में भारत की क्षमता को रेखांकित करता है और आर्थिक विस्तार एवं रोजगार को बढ़ावा देने में इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करता है।

यूरोपीय देश जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, इटली और स्पेन प्रमुख खिलाड़ी बने हुए हैं। वहीं हांगकांग एशिया, मलेशिया और फिलीपींस जैसे एशियाई गंतव्य पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में तेजी से अपनी पहचान बना रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन खर्च में तीव्र वृद्धि देखने वाले देशों में सऊदी अरब (+91.3%), तुर्की (+38.2%), केन्या (+33.3%), कंबोडिया (+29.1%), और मिस्र (+22.9%) शामिल हैं।

आज के समय में जहां हर देश की पहली जरूरत

अर्थव्यवस्था को मजबूत करना हैं वहीं आज पर्यटन के कारण कई देशों की अर्थव्यवस्था पर्यटन उद्योग के इर्द-गिर्द घूमती है। यूरोपीय देश, तटीय अफ्रीकी देश, पूर्वी एशियाई देश, कनाडा, आस्ट्रेलिया आदि ऐसे देश हैं। जहां पर पर्यटन उद्योग से प्राप्त आय वहां की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है। पर्यटन विश्व का सबसे बड़ा क्षेत्र है। जो वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 11 प्रतिशत योगदान देता है।

देश की अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर नजर रखने वाले अर्थशास्त्रियों और निजी निगराकों ने लाभार्थ एकमत से स्वीकार किया है कि देश में उपलब्ध पर्यटन क्षमता का समुचित रूप से इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। इस दिशा में अधिक प्रगामी व कारगर कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। इसी नीति के तहत विभिन्न पर्यटन केंद्रों की प्रमुख छोट-बड़े शहरों से जोड़ने के लिए दूरसंचार, सड़क और वायु परिवहन की अधिकाधिक सुविधा उपलब्ध कराने के लिए भारी निवेश की व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा परंपरागत पर्यटक केंद्रों के आसपास नियुनायों सुविधाएं व नए पर्यटक केंद्रों को विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। इस पूरे परिदृश्य से स्पष्ट होता है कि आगामी वर्षों में पर्यटन प्रबंधन तथा पर्यटक से जुड़े अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों की बड़ी संख्या में मांग होगी। यह अवसर सरकारी से उदात्त निजी क्षेत्रों में होने की अधिक संभावना जगाता जा रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि आगामी दस वर्षों में पर्यटन आयातित अर्थव्यवस्था में भारत का स्थान

विश्व में तीसरा हो जाएगा। देश में इस दौरान लगभग एक करोड़ नये रोजगार का इस क्षेत्र में सृजन होने की उम्मीद है। वर्ल्ड ट्रेवल एंड टूरिज्म कौंसिल द्वारा जारी रिपोर्ट में इस आशय की संभावनाओं की ओर इशारा किया गया है। अभी देश में लगभग चार करोड़ लोग टूर एंड टूरिज्म इंडस्ट्री के माध्यम से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर आजीविका हासिल कर रहे हैं।

देश में पर्यटन से जुड़े लगभग सभी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रेजुएन्स के बाद के स्तर के हैं। विविधतावादीयों में पर्यटन क्षेत्र के भावी विकास को भांपते हुए पर्यटन शिक्षा विभाग तेजी से विकसित हो रहे हैं। इसमें मास्टर ऑफ टूरिज्म एडमिनिस्ट्रेशन सरथि स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस विश्वविद्यालयों के अतिरिक्त निजी प्रशिक्षण संस्थाओं में भी अंशकालिक, पूर्णकालिक डिप्लोमा प्रशिक्षण उपलब्ध है। पर्यटन डिप्लोमा डिग्री हासिल करने के बाद स्वरोजगार के क्षेत्र में पदार्पण करने के लिए राहें भी खुलती हैं। इसीलिए जरूरी नहीं कि लंबे अरसे तक नौकरी के लिए आवेदन भेज कर हाथ पर हाथ रखकर खाली बैठ जाऊं। दूर ऑर्परेटर और ट्रेवल एजेंट जैसे काम बहुत कम पूंजी से शुरू किए जा सकते हैं। जिनमें स्थानीय साइट सैन, पर्यटक भ्रमण कार्यक्रम से लेकर तीर्थ यात्रा दूर, दूरराज के पर्यटक स्थलों तक आदि मुख्य हैं।

नवीन विदेशी पर्यटकों में स्वीट्जरलैंड, पेरिस, थैलैंड, हाँगकांग, सिंगापुर, लंदन, अमेरिका, कनाडा, मादोप्री, नेपाल जैसी जगहों के लिए भी पैकेज टूर बनाने जाने लगे हैं। इनमें स्थानीय पर्यटकों से लेकर हवाई यात्रा और होटल में ठहरने तक का समस्त खर्च सम्मिलित होता है। तमाम हवाई कंपनियों के अतिरिक्त टिकट विक्रेता एजेंट के रूप में भी बेची गई टिकटों पर निर्धारित प्रतिशत कमीशन की कमाई की जा सकती है।

आज अधिकांश सरकारी व निजी विश्वविद्यालयों में पर्यटन प्रशिक्षण के कोर्स चलाए जा रहे हैं। इसके अलावा भी देशभर में अनेकों निजी संस्थान पर्यटन के विभिन्न क्षेत्रों का प्रशिक्षण दे रहे हैं। प्रशिक्षण के पश्चात सर्टिफिकेट भी दिए जाते हैं। राष्त्रिय पर्यटन विभाग सशय-समय पर प्रदेश में गाइडों के प्रशिक्षण शिविर आयोजित करता है। जिसमें प्रशिक्षण प्राप्त कर चर्चनित गाइडों को विभाग द्वारा गाइड का प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है। देश के अन्य राष्त्रों में भी इसी तरह के विभिन्न पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। जहां अध्ययन व प्रशिक्षण प्राप्त कर व्यक्ति पर्यटन के क्षेत्र में अपना कैरियर बना सकता है।

निकाय के बाद अब गांवों की बारी, पंचायत चुनाव की तैयारी में भाजपा ने कसी कमर

एनपी मट्ट

राजस्थान में नगर निकाय चुनाव की चुनावी गहकामहमी के बाद अब सियासत का फोकस गांवों की ओर मुड़ा गया है। आगामी पंचायती राज चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने संपादनत्मक कार्यरतियों को तेज कर दिया है। इसी कड़ी में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन 25 सितंबर को जयपुर के दार्जिमा में निकाय जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करेंगे। यह आयोजन पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर हो रहा है और इसे निकाय चुनाव के बाद पार्टी के ग्रामीण चुनावी अभियान की अगली कड़ी के रूप में देखा जा रहा है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार पार्टी ने इस सम्मेलन में करीब एक लाख लोगों की भागीदारी का लक्ष्य रखा है।

नितिन नवीन 25 सितंबर की सुबह अक्टू



के आरक्षण की प्रक्रिया युधवार को हुई है। भाजपा पंचायत चुनाव में ग्रामीण मतदाताओं तक पहुंच बनाने के लिए प्रचार

विवरण में 90 प्रचार रथों का उल्लेख है। इन रथों के जरिए केंद्र और राज्य सरकार की ग्रामीण विकास, किसान, कृषि तथा जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी गांवों तक पहुंचाने की रणनीति बताई जा रही है। यह मॉडल भाजपा पहले भी इस्तेमाल कर चुकी है। अर्पेल में नितिन नवीन और मुख्यमंत्री पंचनलाल शर्मा ने ग्राम-2026 अभियान के तहत ग्राम रथों की रवाना किया था। अब इसी संघर्ष अभियान को पंचायत चुनाव के राजनीतिक माहौल से जोड़कर आगे बढ़ाने का भाजपा की रणनीति है। इसमें निकाय जनप्रतिनिधि व विरला साधारण में युवा संवाद कार्यक्रम भी प्रस्तावित है। इसमें युवाओं और नई पीढ़ी से संवाद के जरिए उन्हें संपादनत्मक गतिविधियों से जोड़ने पर जोर दिया। भाजपा के लिए यह पहल सफल हो महत्वपूर्ण है क्योंकि पंचायत चुनावों में युवा कार्यकर्ताओं की भूमिका बृथ से लेकर प्रचार और जनसंपर्क तक महत्वपूर्ण रहती है।

नितिन नवीन के इस दौर का समय राजस्थान की चुनावी राजनीति के लिहाज से अहम है। एक और निकाय चुनाव की प्रक्रिया पूरी हुई है, दूसरी ओर पंचायत चुनाव के लिए आरक्षण की तस्वीर सामने आ रही है। ऐसे में दार्जिमा का सम्मेलन भाजपा के लिए शहरी चुनावी अभियान से ग्रामीण संगठन को संक्रमण का मंच बनता दिखाई दे रहा है। अब पार्टी के सामने निकाय चुनाव में सक्रिय हुए संगठन की गांव-गांव तक विस्तार देना और पंचायत स्तर पर मजबूत चुनावी नेटवर्क तैयार करने की चुनौती है। राजस्थान की राजनीति में अगले चरण का मुकाबला अब शहरी की सीमाओं से निकलकर गांवों की चौपाल तक पहुंचने वाला है। दार्जिमा से भाजपा का संदेश इसी ग्रामीण राजनीतिक अभियान को झुकाव का संकेत माना जा रहा है। भाजपा के साथ कोर्रस और अन्य दलों द्वारा भी पंचायत राज चुनाव की तैयारियों में जुट गए हैं।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता ने दुर्ग में की महिला उत्पीड़न से जुड़े प्रकरणों की जनसुनवाई

25 प्रकरणों की हुई सुनवाई, 7 प्रकरण नस्तीबद्ध, पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने आवश्यक कार्रवाई के निर्देश

नई दृष्टिविदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने दुर्ग में महिला उत्पीड़न एवं महिलाओं से संबंधित विभिन्न प्रकरणों की जनसुनवाई की। प्रेषणा सभा कक्ष, बालगढ़ परिसर, पांच बिल्डिंग स्थित महिला एवं बाल विकास कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। यह प्रवेश स्तर पर आयोग की आठवीं तथा दुर्ग जिले में दूसरी जनसुनवाई थी। जनसुनवाई में कुल 33 प्रकरण सुचीबद्ध थे, जिनमें से 25 प्रकरणों की सुनवाई की गई और 7 प्रकरण नस्तीबद्ध किए गए। सुनवाई के दौरान आयोग ने प्रकरणों की प्रकृति के अनुसार संबंधित विभागों एवं अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

खास खबर

खुर्सीपार हेरोइन तस्करी केस : फरार 3 आरोपी गिरफ्तार, 70 ग्राम हेरोइन सहित 29 लाख का माल जब्त



नई दृष्टिविदु / दुर्ग-भिलाई

थाना खुर्सीपार पुलिस ने हेरोइन तस्करी के मामले में फरार चल रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूर्व में कार्रवाई के दौरान 70.460 ग्राम हेरोइन, नगदी, सोने-चांदी के जेवर, मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक तत्वजु समेत करीब 29.22 लाख की सामग्री जब्त की गई थी। 19 सितंबर को जेन-03 जीरो स्ट्रीट खुर्सीपार के एक मकान में हेरोइन बिन्नी की सूचना पर पुलिस ने छापा मारा था। थाना खुर्सीपार में अपराध क्र. 431/2026 थारा 8, 21(ख), 27(क) NDPS एक्ट के तहत केस दर्ज कर विवेचना शुरू की गई थी। फरार आरोपियों की पतासाजी कर 25 सितंबर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी में सैमग्र प्रकाद उर्फ खल्लू 32 वर्ष, हासिंग बोर्ड कॉलोनी जापुरा, गुरमीत सिंह उर्फ खल्लू 21 वर्ष, जीरो स्ट्रीट जेन-03 खुर्सीपार और आरोपी कुमार शाह 26 वर्ष, शिवाजी नगर खुर्सीपार शामिल हैं। तीनों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। कार्रवाई में थाना प्रभारी खुर्सीपार व टीम की अहम भूमिका रही।

शासकीय खाते से 26.87 लाख के अनाधिकृत लेन-देन में बैंक लिपिक गिरफ्तार

मुंगेली। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा मुंगेली में पर्यावरण अधोसंरचना विकास मद के शासकीय खाते से 26 लाख 87 हजार रुपये के अनाधिकृत अंतरण के मामले में सिटी कोतवाली पुलिस ने आरोपी बैंक लिपिक को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भीमराम पटेल के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। कलेक्टर मुंगेली के आदेश के बाद थाना सिटी कोतवाली में अपराध क्रमांक 253/2026 थारा 318(4), 316(5) को सिलसिले के तहत माहिला दर्ज किया गया। विवेचना में सामने आया कि सितंबर 2025 से 8 अक्टूबर 2025 के बीच शासकीय खाता क्रमांक 3742452827 से 7 बार अनाधिकृत ट्रांजेक्शन किए गए। आरोपी टिकेश कुमार मिता तथा, रैन सिंह, 30 वर्ष, निवासी खैरवाही थाना चारामा जिला कांकेर, हाल हांडीपापा रायपुर, जो 29 अगस्त 2022 से 27 जनवरी 2026 तक सेंट्रल बैंक शाखा मुंगेली में क्लर्क के पद पर पदस्थ था, उसने पहलू बंद पड़े शासकीय खाते को मैजिन के निर्देश पर सफ़्तार कराया और फिर 8.50 लाख अंतरण खाते में तथा 9.19 लाख और 9.18 लाख मंजुला पटेल के खाते में ट्रांसफर कर दिए। इसमें से 1.61 लाख रुपये ऑवर रकम होने से शासन के खाते में वापस हो गया था। पुलिस ने बैंकिंग रिकॉर्ड, सीबीएस प्रणाली और ट्रांजेक्शन विवरण की जांच के बाद आरोपी को 23 सितंबर को गिरफ्तार कर 24 सितंबर को न्यायिक रिमांड पर भेजा। प्रकरण में विवेचना जारी है। कार्रवाई में निरीक्षक कार्तिकेश्वर जोगड़े, सडन ईश्वर सिंह राजपुत, लारक्षक विकास ठाकुर, योगेश यादव, मनोज टंडन की भी भूमिका रही।

तेज बहाव में बही कार, पेड़ से लटककर बचाई जान
खैरगांव। दैनिया पुल पर शुक्रवार देर रात बड़ा हादसा टल गया। कान्हा-किसली जा रहे पाव दोस्तों की कार तेज बहाव में बहकर नदी के बीच फंस गई। कार में सवार पांच लोग जान बचाने के लिए पेड़ के सहारे लटके रहे। गार्डिया थाना प्रशासक रमेश टैम के साथ मौके पर पहुंचे और पानी में उतरकर पानी को सुखित बहाव निकाला। बताया जा रहा है कि 25 सितंबर की रात करीब 2:30 बजे रायपुर की ओर से आ रही रिवाइड डिजाइनर कार क्रमांक CG 04 PV 5636 दैनिया पुल पर पहुंची। बाढ़ के खतरे को देखते हुए पुल पर पुलिस ने स्टॉपर लगाए थे। पुलिस के मुताबिक कार बालक ने स्टॉपर को टक्कर मार दी। गैक पर तेजता जवानों ने कार को रोकने की कोशिश की, लेकिन बालक कार को आगे ले गया और तेज बहाव के बीच फंस गया। देखते ही देखते पानी के तेज बहाव में कार सड़क से बहकर नदी की मझार में पहुंच गई। कार में सवार पांचों लोग किसी तरह पेड़ के सहारे अपनी जान बचाने रहे।

राहत

4.41 करोड़ की लागत से 100 मीटर लंबे पुल का निर्माण हुआ पूरा

बोकी-आरा मार्ग पर गिरमा नदी में पुल निर्माण पूर्ण, 8 गांवों को मिलेगा सीधा लाभ

नई दृष्टिविदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साव के नेतृत्व में जशपुर जिले में सड़क, पुल-पुलिया सहित अधोसंरचना विकास के कार्यों को गति मिल रही है। पहाड़ी एवं पठारी भौगोलिक क्षेत्र वाले जशपुर जिले में नदी-नालों पर उच्च स्तरीय पुलों के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों की कनेक्टिविटी मजबूत होने के साथ ही लोगों को वर्षभर आवागमन की सुविधा मिल रही है। इसी क्रम में बोकी-आरा मार्ग पर गिरमा नदी में उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है। करीब 100 मीटर लंबे इस पुल के निर्माण पर 4 करोड़ 41 लाख 33 हजार रुपये की लागत आई है। पुल के शुरू होने से क्षेत्र के 8 गांवों के 5 हजार से अधिक ग्रामीणों को बारहमासी आवागमन की सुविधा मिलेगी।

गिरमा नदी पर उच्च स्तरीय पुल नदी के कारण बरसात के दिनों में नदी का जलस्तर बढ़ने पर बोकी-आरा मार्ग पर आवागमन पूर्ण हो जाता था। तेज वारिश के दौरान पानी का बहाव बढ़ने से ग्रामीणों को नदी पार करने और मुख्य मार्ग तक पहुंचने में कठिनाईयों का सामना करना



पड़ता था। इससे विद्यार्थियों, किसानों, मरीजों, व्यापारियों और आम नागरिकों को परेशानी होती थी। अब पुल का निर्माण पूरा होने से वारिश के दौरान भी आवागमन सुगम और सुरक्षित रहेगा तथा लंबे समय से चली आ रही संकट बाधित होने की समस्या से ग्रामीणों को राहत मिलेगी। गिरमा नदी पर पुल बनने से बोकी, बालाछपर, कोरसकेरा, बिराणानी, रतपुर, सालकेरा, नारायणपुर और झिलमिली सहित 8 गांवों के 5100 से अधिक ग्रामीण सीधे

लाभाधिकृत होंगे। इन गांवों के लोगों को मुख्य मार्ग से बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। स्कूल, बाजार, अस्पताल, स्वास्थ्य केंद्र और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच आसान होगी। किसानों एवं व्यापारियों को आवागमन में सुविधा मिलने के साथ ही समय और परिवहन लागत की बचत होगी। बेहतर सड़क संपर्क से क्षेत्र में आर्थिक एवं सामाजिक गतिविधियों को भी गति मिलने की उम्मीद है। बोकी-आरा मार्ग पर गिरमा नदी में पुल बनने से



चरलू हिंसा से संबंधित एक प्रकरण में आवेदिका ने बताया कि उसके पति ने दूसरी शादी

जनगणना प्रपत्र में ओबीसी का अलग कॉलम जोड़ने की मांग



नई दृष्टिविदु / दुर्ग

दुर्ग जिला कांग्रेस कमिटी पिछड़ा वर्ग विभाग द्वारा जिलाधीश के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति महोदय के नाम जापान सौंपकर जाति जनगणना की वैज्ञानिक, प्रमाणिक, पारदर्शी एवं नीति निर्माण के लिए उपयोगी बनाए जाने की मांग की गई। जापान में विशेष रूप से डड्ड श्रेणी की स्पष्ट गणना, मानकीकृत जाति सूची, प्रत्येक जाति के लिए विशिष्ट वैज्ञानिक कोड तथा वैज्ञानिक वर्गीकरण सुनिश्चित करने की मांग प्रमुखता से रखी गई। जापान प्रदेश कांग्रेस कमिटी अन्य पिछड़ा वर्ग अध्यक्ष केराव चंद्राकर के निर्देश में दिया गया। उक्त जापान में कहा गया कि भारत की सामाजिक संरचना अत्यंत विविध और व्यापक है। देश के अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों में एक ही जाति या समुदाय के अलग-अलग नाम, स्थानीय नाम, उच्चारण और वर्तनी प्रचलित हैं। ऐसी परिस्थितियों में जातियों की पहचान के लिए यदि एक समान और वैज्ञानिक व्यवस्था नहीं अपनाई गई तो आंकड़ों में भ्रम, दोहराव अथवा विवर्गित की संभावना बनी रह सकती है।

जिला कांग्रेस कमिटी (अन्य पिछड़ा वर्ग) अध्यक्ष शिशिर कांत कसारा ने डड्ड वर्ग की गणना को विशेष रूप से स्पष्ट एवं व्यवस्थित तरीके से दर्ज करने की मांग की उन्होंने। कहा कि प्रमाणिक आंकड़े उपलब्ध होने पर ही सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक स्थिति का वास्तविक आकलन किया जा सकेगा तथा आवश्यकता के अनुरूप योजनाओं और नीतियों के निर्माण में आंकड़ों का उपयोग किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि जाति जनगणना केवल संख्या गिनने की प्रक्रिया नहीं होती चाहिए, बल्कि यह देश की सामाजिक वास्तविकताओं को समझने का वैज्ञानिक आधार बने। इसके लिए आंकड़ों का संकलन आधुनिक

तकनीक, स्पष्ट मानकों और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से किया जाना आवश्यक है। जापान में यह भी मांग रखी गई कि एक ही जाति के विभिन्न क्षेत्रीय एवं पर्यावरणीय नामों को वैज्ञानिक तरीके से मिलाया जाए, ताकि एक ही समुदाय की अलग-अलग नामों से पुनरावृत्ति न हो। साथ ही जातियों के वर्गीकरण के लिए विशेषज्ञों की सलाह एवं आवश्यक वैज्ञानिक पद्धति अपनानी जावे की मांग की गई। सही आंकड़े ही सही नीतियों को मजबूत नींव देते हैं। इसलिए जाति जनगणना की प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए, जिससे प्राप्त आंकड़े भविष्य में सामाजिक न्याय, समान अवसर और जनकल्याणकारी नीतियों के निर्माण में प्रभावी एवं विश्वसनीय आधार बन सकें। जापान सौंप के दौरान जिला कांग्रेस कमिटी अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल, वरिष्ठ नेता राजेश यादव, ब्लॉक अध्यक्ष अमरेंद्र कपूर ताम्रकार, कल्याण अहमद, मुकेश साहू बिजेन्द्र भारद्वाज, केलाफ सिन्हा मोहित वल्लभ अशोक मेहरा सुनिता पोष राजकुमार साहू चिराग शर्मा आनुष शर्मा हिमांशु शर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

महासमुंद में नकली होलोग्राम से शराब तस्करी के बड़े सिंडिकेट का भंडाफोड़

50 लाख की संपत्ति जब्त, 9 आरोपी जेल में

नई दृष्टिविदु / महासमुंद

सरायपाली पुलिस ने नकली होलोग्राम और छलीसकर स्टेट के नकली लेबल लगाकर शराब तस्करी करने वाले अंतरराज्यीय संगठित सिंडिकेट का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने कंटेनर, डस्टर कार और आरोपियों पर से कुल 370 पेटी यानी 3229 लीटर शराब कोमट 22.15 लाख जन्त की है। वाहनों और मोबाइल समेत कुल 50.30 लाख की संपत्ति जब्त की गई है।

11 अगस्त को सरायपाली पुलिस ने डस्टर कार CG 04 PS 3481 में 25

पेटी में 1192 पक्वा गोवा अंग्रेजी शराब 214 लीटर कीमत 1.43 लाख के साथ राजेश पटेल, अजित पटेल और अमित पटेल को पकड़ा था। मेमोरेन्डम पर अमित पटेल के कब्जे से 46 बोलत अंग्रेजी शराब 34.5 लीटर और कंटेनर ट्रक HR 13 X 3220 में सरी 345 पेटी 2980 लीटर कीमत 19.87 लाख जन्त हुई।

आरोपियों के खुलासे पर रायगढ़ के सरगना विनय सिंह ठाकुर और नकली होलोग्राम, लेबल, बोलत संचालित करने वाले अंतरराज्यीय सरगना धीरज आहूजा निवासी फरीदाबाद हरियाणा को गुरुगढ़वा

से गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा खुदरा बिक्की करने वाले ममता होटल, मंजीत ढाबा, बिहारी होटल, समीर ढाबा और मां भां भां ढाबा के मालिक भी हिरासत में लिए गए।

नेटवर्क 4 जिलों में फैला था - यह सिंडिकेट महासमुंद, सारांगढ़, रायगढ़, जांजगीर तक फैला था। आवकरी विभाग ने होलोग्राम-लेबल नकली होने की पुष्टि की है। अपराध क्र. 264/26 थारा 34(2), 59(क) आबकारी एक्ट व 111(2), 338, 336(3), 340(4) BNS के तहत कार्रवाई की गई है। कुल 9 आरोपी गिरफ्तार कर जेल भेजे गए हैं।

साइबर जागृति कार्यक्रम, 200 प्रतिभागियों को दी गई डिजिटल सुरक्षा की जानकारी



नई दृष्टिविदु / दुर्ग

दुर्ग पुलिस द्वारा चलाए जा रहे साइबर जागृति अभियान के तहत सेवा संचालक अभियान के अंतर्गत मंगल भवन उद्योग में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

भिलाई एवं बाल विकास विभाग के आनन मिलन सेवा, पोषण अभियान और महतारी माता हेल्थ केंद्र के साथ आयोजित कार्यक्रम में लगभग 200 प्रतिभागियों को साइबर सुरक्षा, डेटा प्राइवसी और सोशल मीडिया के

सुरक्षित उपयोग की जानकारी दी गई। पुलिस ने OTP, PIN, CVV, पासवर्ड किसी से साझा न करें, संदिग्ध लिंक, काल और मैसेज से सावधान रहने की अपील की। साइबर ठगी होने पर तत्काल 1930 पर शिकायत दर्ज करने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विधायक नितिन चंडिकर, प्रीतपाल बेलचंदन, नारप पंचातन अध्यक्ष सरस्वती साहू, CDDO उषा झा, ASP ममता देवाना, नरकड, संकल्प राव सहित रक्षा टीम और उर्दू पुलिस स्टाफ उपस्थित रहे।



पितरों की आत्मा की शांति के लिए करें मात्र एक ही उपाय

आश्विन माह के प्रथम दिवस 26 सितंबर से श्राद्धपक्ष शुरू होने जा रहा है। इस दिन पितरों की शांति के लिए तर्पण और पिंडदान के अलावा कई तरह के अनुष्ठान किए जाते हैं। आओ जानते हैं कि कौन सा एकमात्र उपाय करने से पितरों को मिलेगी शांति और पितृदोष होगा दूर।

पितृ शांति के लिए उपाय

- नियमित रूप से 16 दिन तक गो माता को घी मिली आटे की लोढ़ियां बनाकर खिलाएं और उनकी पूजा और सेवा करें। हो सके तो हरा चारा खिलाएं।
- यदि उपरोक्त कार्य नहीं कर सकते हो तो श्राद्ध पक्ष में जब भी मंगलवार आए तो उस दिन हनुमान मंदिर जाकर के बजरंगबली को चोला चढ़ाएं और उनसे पितरों की मुक्ति एवं शांति का कामना करें।
- पंचबली कर्म - इसके अलावा आप चाहें तो पंचबलि कर्म भी कर सकते हो। किस भी श्राद्ध तिथि में पंचबलि कर्म अर्थात् गाय, कौवे, कुत्ते, चूँटी और देवताओं को अन्न जल अर्पित करना चाहिए। ब्राह्मण भोज कराना चाहिए।

शुभ मुहूर्त

श्राद्धपक्ष में यदि आप पितरों के निमित्त, तर्पण, पिंडदान, पूजा आदि अनुष्ठान कर रहे हैं तो श्रावण के अनुसार कुतूप काल मुहूर्त में यह कर्म करें। श्रावण के अनुसार कुतूप, रोहिणी, मघाद्वार और अभिर्जात काल में श्राद्ध करना चाहिए। यही श्राद्ध करने का सही समय है।

वया हे कुतूप काल

कुतूप काल दिन के 11.30 बजे से 12.30 के मध्य का समय होता है। वैसे कुतूप बेला दिन का अठवां मुहूर्त होता है। पाप का शमन करने के कारण इसे कुतूप कहा गया है।

इन 5 स्थानों पर रखें श्राद्ध का आहार

‘श्राद्ध’ शब्द ‘श्रद्धा’ से बना है यानी अपने पूर्वजों को प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करना। श्राद्ध न करने वाले देवीदेवते हैं कि जो मर गया है उसके निमित्त कुछ करने का औचित्य नहीं है। यह ठीक नहीं है, क्योंकि संकल्प से किए गए कर्म जीव चाहें जिस यौनि में हो, उस तक पहुंचता है तथा वह तुल्य होता है। यहां तक कि ब्रह्मा से लेकर घास तक तुल्य होते हैं। श्राद्ध करने का अधिकार सर्वप्रथम पुत्र को है तथा क्रमशः पुत्र, पौत्र, प्रपौत्र, दीहृत्र, पत्नी, भाई, भतीजा, पिता, माता, पुत्रवधू, बहन, भानजा तथा समीपी कहें गए हैं। इनमें ज्यादा या सभी करें तो भी फल प्राप्ति सभी को होती है। श्राद्ध में ब्राह्मण भोजन तथा पंचबलि कर्म किया जाता है। पंचबलि में गाय, कुत्ता और कौवा के साथ 5 स्थानों पर भोजन रखा जाता है। वे हैं-

प्रथम गौ बलि- घर से पश्चिम दिशा में गाय को महुआ या पलाश के पत्तों पर गाय को भोजन कराया जाता है तथा गाय को ‘गोभ्यो नमः’ कहकर प्रणाम किया जाता है। गौ देशी होना चाहिए। द्वितीय धान बलि- पते पर भोजन रखकर कुत्ते को भोजन कराया जाता है। तृतीय काक बलि- कौओं को छत पर या भूमि पर रखकर उनको बुलाया जाता है जिससे वे भोजन करें। चतुर्थ देवादि बलि- पत्तों पर देवताओं को बलि घर में दी जाती है। बाद में वह उठाकर घर से बाहर रख दी जाती है। पंचम पिप्लिकादि बलि- चूँटी, कौड़े-मकोड़ों आदि के लिए जहां उनके बिल हों, वहां चूरा कर भोजन डाला जाता है। श्राद्ध करने का आदर्श समय : मघाहन 1130 से 1230 तक है जिसे ‘कुतूप बेला’ कहा जाता है। इसका बड़ा महत्व है।



नमोऽस्तु पितृभ्यः

पितृपक्ष दौरान जप तप और पितरों के नाम से तर्पण से प्रसन्न होते हैं पितर

भाद्रपद शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा से पितृपक्ष की शुरुआत मानी जाती है, वहीं इसका समापन आश्विन माह की अमावस्या तिथि पर होता है। साल 2026 में पूर्णिमा का श्राद्ध (भाद्रपद पूर्णिमा श्राद्ध) 26 सितंबर शनिवार, 2026 को रखा जाएगा। इसी दिन से साल 2026 के पितृ पक्ष की औपचारिक शुरुआत होगी।

मिलते हैं ये संकेत

यदि आपके घर में पितृ दोष लग गया है तो व्यक्ति को कड़ी मेहनत के बाद भी सफलता हाथ नहीं लगती। पितृ दोष होने के कारण व्यक्ति की तरक्की भी रुक जाती है। साथ ही कारोबार में भी नुकसान होने लगता है। इतना ही नहीं एक के बाद एक दुर्घटनाएं होने लगती हैं। यह सभी संकेत पितृ दोष होने की तरफ इशारा करते हैं।

ऐसे पाएं मुक्ति

पितृदोष से मुक्ति के लिए पितृपक्ष की अवधि को सबसे उत्तम माना गया है। ऐसे में आपको पितृ दोष से मुक्ति के लिए पितृ पक्ष में उनका तर्पण, पिंडदान, और श्राद्ध कर्म जरूर करने चाहिए। इसके साथ ही पितरों के निमित्त भोजन और जल निकाले व पितरों का आह्वान कर, उन्हें ये सभी सामग्री अर्पित कर दें। इससे पितरों की नाराजगी दूर हो सकती है।

पितृ होंगे प्रसन्न

पितृ पक्ष में पीपल के पेड़ की पूजा जरूर करनी चाहिए। मान्यताओं के अनुसार, पीपल के वृक्ष में पितरों का वास होता है। ऐसे में पितृपक्ष के दौरान

सनातन धर्म की मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष एक महत्वपूर्ण अवधि मानी जाती है। पितरों के प्रसन्न होने पर जीवन में सुख-समृद्धि आती है लेकिन इसके विपरीत पितरों के नाराज होने पर व्यक्ति को कई तरह की समस्याएं घेर लेती हैं। ऐसे में जानते हैं कि पितृ दोष होने पर व्यक्ति को क्या संकेत मिलते हैं और इससे किस प्रकार मुक्ति पाई जा सकती है।

सुर्योदय से पहले उठकर स्नान आदि से निवृत्त हो जाएं। इसके बाद पीपल के पेड़ में जल अर्पित करें और सात बार परिक्रमा करें। साथ ही वृक्ष के नीचे काले तिल डालकर सरसों के तेल का दीपक जलाएं और पितरों का स्मरण करें। इस उपाय से पितृ प्रसन्न होते हैं।

इस दिशा में जलाएं दीपक

पितृपक्ष के दौरान आपको पितरों के नाम का दीया जरूर जलाना चाहिए। पौराणिक मान्यता के अनुसार, दक्षिण दिशा पितरों की दिशा मानी जाती है। ऐसे में पितृपक्ष में रोजाना इस दिशा में पितरों के नाम का दीपक जरूर जलाएं। साथ ही पितृ दोष से मुक्ति के लिए जल में काले तिल डालकर दक्षिण दिशा की ओर अर्घ्य देना चाहिए।



क्या हैं श्राद्धकर्ता व श्राद्धभोक्ता के लिए शास्त्र के निर्देश

श्राद्ध पक्ष में सभी सनातनधर्मी अपने पितरों के निमित्त श्राद्धकर्म करते हैं। सनातन धर्म के सभी अनुयायियों को अपने पितरों के निमित्त श्राद्ध अवश्य करना चाहिए। श्राद्ध के दो मुख्य अंग हैं- 1. पिंडदान 2. ब्राह्मण भोजन। हमारे शास्त्रों में श्राद्ध करने वाले (श्राद्धकर्ता) और श्राद्ध में भोजन करने वाले ब्राह्मण (श्राद्धभोक्ता) के लिए कुछ नियम निर्धारित किए हैं। आइए जानते हैं क्या है वे नियम-

श्राद्धकर्ता के लिए नियम

शास्त्रानुसार श्राद्धकर्ता को श्राद्ध वाले दिन निम्न नियमों का पालन आवश्यक रूप से करना ही चाहिए-

- पूर्णरूपेण सात्विक मनोदशा रखें।
- पान इत्यादि भक्षण ना करें।
- तेल मालिश, दाढ़ी, केशकर्तन इत्यादि ना कराएं।
- स्त्री के साथ सहवास ना करें।
- किसी दूसरे के घर अथवा बाहर भोजन ना करें।

श्राद्धभोक्ता के लिए नियम

शास्त्रानुसार श्राद्धभोक्ता को श्राद्ध वाले दिन निम्न नियमों का पालन आवश्यक रूप से करना ही चाहिए-

- श्राद्धभोजन करने के उपरांत उसी दिन दूसरे घर में दोबारा श्राद्धभोजन ना करें।
- लम्बी यात्रा ना करें।
- श्राद्धभोजन वाले दिन दान ना दें।
- स्त्री के साथ सहवास ना करें।
- भोजन करते समय मौन रहकर भोजन करें।

श्राद्ध किस जगह करें और किस जगह नहीं करें

भाद्रपद की पूर्णिमा से आश्विन माह की अमावस्या तक श्राद्ध पक्ष चलता है जिसे पितृपक्ष भी कहते हैं। यदि आप इस दौरान अपने पितरों का श्राद्ध, तर्पण या पिंडदान करने जा रहे हैं तो यह भी जान लें कि शास्त्रों के अनुसार किस जगह श्राद्ध करना चाहिए और किस जगह पर नहीं। यदि अनुचित जगह पर श्राद्ध किया तो उसका फल नहीं मिलता है।

पितृपक्ष में कहां श्राद्ध करना चाहिए?

- घर पर : श्राद्ध आप अपने घर में भी कर सकते हैं। दक्षिण में मुख करके श्राद्ध किया जाता है।
- तट पर : किसी पवित्र नदी, नदी संगम, समुद्र में गिरने वाली नदियों के तट पर उचित समय में विधि-विधान से श्राद्ध किया जा सकता है।
- बरगद के नीचे : पवित्र वट-वृक्ष के नीचे भी श्राद्ध कर्म किया जा सकता है।
- तीर्थ क्षेत्र : शास्त्रों में उल्लेखित किसी तीर्थ क्षेत्र में भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- समुद्र तट पर : समुद्र के तट पर भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- गोशाला : जहां बैल न हों ऐसी गोशाला में भी उचित
- स्थान को गोबर से लिपकर शुद्ध करके श्राद्ध किया जा सकता है।
- पर्वत पर : पवित्र पर्वत शिखर पर भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- जंगल में : वनों में उचित स्थान, वखल और मनोरं भूमि पर भी विधिपूर्वक श्राद्ध किया जा सकता है।
- पितृपक्ष में कहां पर श्राद्ध नहीं करना चाहिए?
- दुसरों की भूमि पर : किसी की पर्सनल भूमि पर श्राद्ध नहीं करते हैं। भूमि सार्वजनिक होना चाहिए। अगर दूसरे के गृह या भूमि पर श्राद्ध करना पड़े तो किराया या दक्षिणा भूस्वामी को दे देना चाहिए।
- अपवित्र भूमि : किसी भी प्रकार से अपवित्र हो रही भूमि पर भी श्राद्ध नहीं करते हैं।
- शमशान में : किसी ऐसे शमशान में श्राद्ध नहीं कर सकते हैं जिसे तीर्थ नहीं माना जाता।
- देव स्थान पर : किसी मंदिर के अंदर या देवस्थान पर भी श्राद्ध कर्म नहीं करना चाहिए। इसके लिए पंडित से सलाह लें।

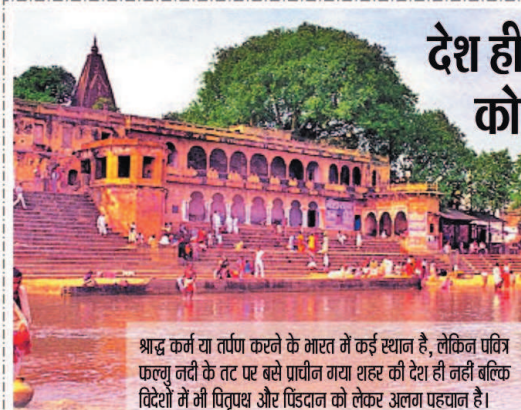
16 दिनों में न भूलें ये बातें, पितरों का करें सम्मान

श्राद्ध पक्ष में पितरों के निमित्त घर में क्या कर्म करना चाहिए। यह जिज्ञासा सहजतावश अनेक व्यक्तियों में रहती है। यदि हम किसी भी तीर्थ स्थान, किसी भी पवित्र नदी, किसी भी पवित्र संगम पर नहीं जा पा रहे हैं तो निम्नोक्त सरल एवं संक्षिप्त कर्म घर पर ही अवस्था कर लें :

- प्रतिदिन श्राद्ध (अर्थात् दूध में पकाए हुए चावल में शक्कर एवं सुगंधित द्रव्य जैसे इलायची, केसर मिलाकर तैयार की गई सामग्री को खीर
- कहते हैं। बनाकर तैयार कर लें।
- गाय के गोबर के कंडे को जलाकर पूर्ण प्रज्वलित कर लें।
- उक्त प्रज्वलित कंडे को शुद्ध स्थान में किसी बर्तन में रखकर, खीर से तीन आहुति दें दें।
- इसके नजदीक (पास में ही) जल का भरा हुआ एक गिलास रख दें अथवा लोटा रख दें।
- इस द्रव्य को अगले दिन किसी वृक्ष की जड़ में डाल दें।
- भोजन में से सर्वप्रथम गाय, काले
- कुत्ते और कौए के लिए ग्रास अलग से निकालकर उन्हें खिला दें। इसके पश्चात ब्राह्मण को भोजन कराएं फिर स्वयं भोजन ग्रहण करें। पश्चात ब्राह्मणों को यथायोग्य दक्षिणा दें।



देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी पितृपक्ष और पिंडदान को लेकर अलग पहचान रखता है प्राचीन शहर गया



श्राद्ध कर्म या तर्पण करने के भारत में कई स्थान हैं, लेकिन पवित्र फल्गु नदी के तट पर बसे प्राचीन गया शहर की देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी पितृपक्ष और पिंडदान को लेकर अलग पहचान है।

पुराणों के अनुसार पितरों के लिए खास आश्विन माह के कृष्ण पक्ष या पितृपक्ष में मोक्षदाया गयाजी आकर पिंडदान एवं तर्पण करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है और माता-पिता समेत सात पीढ़ियों का उद्धार होता है।

पितृ की श्रेणी में मृत पूर्वजों, माता, पिता, दादा, दादी, नाना, नानीसहित सभी पूर्वज शामिल होते हैं। व्यापक दृष्टि से मृत गुरु और आचार्य भी पितृ की श्रेणी में आते हैं। कहा जाता है कि गया में पहले विभिन्न नामों के 360 वैदियां थीं जहां पिंडदान किया जाता

था। इनमें से अब 48 ही बची हैं। यहां की वैदियों में विष्णुपद मंदिर, फल्गु नदी के किनारे और अक्षयवट पर पिंडदान करना जरूरी माना जाता है। इसके अतिरिक्त देवगौरी, प्रेतशिला, सीताकूंड, नागकूंड, पांडुशिला, रामशिला, मंगलागौरी, कागबलि आदि भी पिंडदान के लिए प्रमुख हैं। यही कारण है कि देश में श्राद्ध के लिए 55 स्थानों को महत्वपूर्ण माना गया है जिसमें बिहार के गया का स्थान सर्वोपरि है।

गयासुर नामक असुर ने कठिन तपस्या कर ब्रह्माजी से वरदान मांगा था कि उसका शरीर देवताओं की तरह पवित्र हो जाए और लोग उसके दर्शन मात्र से पापमुक्त हो जाएं। इस वरदान के चलते लोग भयमूलक होकर पाप करने लगे और गयासुर के दर्शन करके फिर से पापमुक्त हो जाते थे। इससे बचने के लिए यज्ञ करने के लिए देवताओं ने गयासुर से पवित्र स्थान की मांग की। गयासुर ने अपना शरीर देवताओं की यज्ञ के लिए दे दिया। जब गयासुर देवताओं को उसका शरीर पांच कोस में फैल गया। यही पांच कोस जगह आगे चलकर गया बना। देह धान देने के बाद गयासुर के मन से लोगों को पाप मुक्त करने की इच्छा नहीं गई और फिर उसने देवताओं से वरदान मांगा कि यह स्थान लोगों को तारने वाला बना

रहे। तब से ही यह स्थान मृतकों के लिए श्राद्ध कर्म कर मुक्ति का स्थान बन गया।

कहते हैं कि गया वह आता है जिसे अपने पितरों को मुक्त करना होता है। लोग यहां अपने पितरों या मृतकों की आत्मा को हमेशा के लिए छोड़कर चले जाते हैं। मतलब यह कि प्रशा के अनुसार सबसे पहले किसी भी मृतक तो तीसरे वर्ष श्राद्ध में लिया जाता है और फिर बाद में उसे हमेशा के लिए जब गया छोड़ दिया जाता है तो फिर उसके नाम का श्राद्ध नहीं किया जाता है। कहते हैं कि गया में श्राद्ध करने के उपरांत अंतिम श्राद्ध बदरीका क्षेत्र के ‘ब्रह्मकपाली’ में किया जाता है।

गया क्षेत्र में भगवान विष्णु पितृदेवता के रूप में विराजमान रहते हैं। भगवान विष्णु मुक्ति देने के लिए ‘गदाधर’ के रूप में गया में स्थित हैं। गयासुर के विशुद्ध देह में ब्रह्मा, जनार्दन, शिव तथा प्रतिमाह स्थित हैं। अतः पिंडदान के लिए गया सबसे उत्तम स्थान है।

पुराणों अनुसार ब्रह्मज्ञान, गयाश्राद्ध, गोशाला में मृत्यु तथा कुरुक्षेत्र में निवास- ये चारों मुक्ति के साधन हैं- गया में श्राद्ध करने से ब्रह्महत्या, सूर्यापा, स्वर्ण की चोरी, गुरुपूज्यगमन और उक्त संसर्ग-जनि सभी महापातक नष्ट हो जाते हैं।

राजनांदगांव पुलिस का एंड-टू-एंड विवेचना से खुल रही अवैध शराब नेटवर्क की कड़ियां, 2 और आरोपी गिरफ्तार

9,600 बोतल जप्त, पुलिस ने भिलाई के रमाशंकर उर्फ बाबा व राजनांदगांव के महेंद्र वर्मा उर्फ बड़ा कुट्टी को भेजा जेल

नई दृष्टिविदु / राजनांदगांव

पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निदेशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी केशरी नंदन नायक तथा डीएसपी साहबचंद्र/क्राइम सत्य प्रकाश तिवारी के पर्यवेक्षण में थाना डोंगरगढ़, पुलिस चौकी मोहारा एवं साइबर टीम द्वारा नकली शराब लेबल, होलोग्राम एवं पैकेजिंग सामग्री से जुड़े प्रकरण में लगातार एंड-टू-एंड विवेचना एवं कार्रवाई की जा रही है।

पूर्व में की गई कार्रवाई के दौरान सामने आए तथ्यों एवं प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर पुलिस टीम द्वारा 25 सितंबर 2026 को 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में महेंद्र वर्मा उर्फ बड़ा कुट्टी (27 वर्ष) एवं रमाशंकर राजपूत उर्फ बाबा ठाकुर (55 वर्ष) शामिल हैं। प्रकरण में अब तक



निष्पत्ता आरोपी और जप्त सामग्री

महेंद्र वर्मा उर्फ बड़ा कुट्टी, पिता कुमार वर्मा, 27 वर्ष, निवासी मोहारा, पुलिस चौकी मोहारा,

थाना डोंगरगढ़, जिला राजनांदगांव। आरोपी की निशानदेही पर ग्राम मोहारा में उत्तराखंड निमित्त रायल गोवा स्ट्रिट अंग्रेजी शराब की 50 पेटियां जप्त की गईं। प्रत्येक पेटि में 48 नग के हिसाब से कुल 2,400 नग बोतल, प्रत्येक 180 एमएल, कुल 432

बल्क लीटर शराब, जिसकी अंकित कीमत 91,200 है, बरामद की गई। इसके अतिरिक्त 01 सफेद रंग की Creta कार एवं 01 मोबाइल फोन भी जप्त किया गया। आरोपी से जप्त सामग्री की कुल कीमत 11,12,000 अंकित है। रमाशंकर राजपूत उर्फ बाबा ठाकुर, पिता स्व. अमृत लाल राजपूत, 55 वर्ष, निवासी वैकुण्ठधाम अग्रवाली, वैशाली नगर, वार्ड क्रमांक 35, भिलाई, जिला दुर्ग। रमाशंकर राजपूत उर्फ बाबा ठाकुर, पिता स्व. अमृत लाल राजपूत, 55 वर्ष, निवासी वैकुण्ठधाम अग्रवाली, वैशाली नगर, वार्ड क्रमांक 35, भिलाई, जिला दुर्ग शामिल हैं।

आरोपी की निशानदेही पर कचना, चौकी विरेडगर जिला धमतरी के फामहंडस से उत्तराखंड निमित्त रायल गोवा स्ट्रिट अंग्रेजी शराब की 150 पेटियां जप्त की गईं। प्रत्येक पेटि में 48 नग के हिसाब से कुल 7,200 नग बोतल, प्रत्येक 180 एमएल, कुल 1,296 बल्क लीटर शराब, जिसकी

अंकित कीमत 2,73,600 है, बरामद की गई। इसके अतिरिक्त 01 सफेद रंग की Brezza कार एवं 01 मोबाइल फोन भी जप्त किया गया। आरोपी से जप्त सामग्री की कुल कीमत 7,93,000 अंकित है। इस प्रकरण दोनो आरोपियों से कुल 200 पेटि, 9,600 नग शराब की बोतलें, कुल 1,728 बल्क लीटर शराब, 02 चारपहिया वाहन एवं 02 मोबाइल फोन जप्त किए गए हैं। जप्त सामग्री की कुल कीमत 19,05,000 है।

प्रकरण की विवेचना में सामने आया है कि रमाशंकर राजपूत उर्फ बाबा ठाकुर द्वारा अपने अन्य सहयोगियों के साथ उक्त शराब मंगावकर भंडारित किया गया था, तथा सहयोगियों के माध्यम से शराब की सप्लाई की जाती थी। वहीं महेंद्र वर्मा उर्फ बड़ा कुट्टी द्वारा उक्त शराब मोहारा क्षेत्र में विक्री के लिए प्राप्त किया जाना सामने आया है। प्राप्त तथ्यों एवं साक्ष्यों के आधार पर शराब के स्रोत, परिवहन, भंडारण एवं वितरण से जुड़े अन्य व्यक्तियों की

भूमिका की जांच की जा रही है। जप्त वाहनों एवं मोबाइल फोन से प्राप्त जानकारी तथा अन्य उपलब्ध साक्ष्यों का भी परीक्षण किया जा रहा है। पुलिस द्वारा अवैध शराब के कारोबार से जुड़े पूरे नेटवर्क की कड़ियों को निश्चित करने तथा प्रकरण में संलग्न अन्य व्यक्तियों के संबंध में प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

कारवाई में महत्वपूर्ण भूमिका
प्रकरण की विवेचना एवं कार्रवाई में पुलिस अधिकारियों एवं कमचारीयों की महत्वपूर्ण भूमिका रही उनमें निरीक्षक विनय पट्टार, शंकर गिरी गोसावई, प्रधान आरक्षक महादेव भंडारि, आरक्षक राम खिलवान सिन्हा, परिवेश वर्मा, ऋषि दास, मनी ठाकुर, मिथलेश पटेल, जीवन ठाकुर, मनीष भगत, खिलेश पटेल और शत्रुघ्न सिंह शामिल हैं। राजनांदगांव पुलिस की अवैध शराब एवं संगठित अपराधिक गतिविधियों के विरुद्ध कार्रवाई निरंतर जारी है।

खास खबर

शीतला तालाब सहित नगर के विभिन्न स्थानों पर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों व स्वच्छता कर्मियों ने किया श्रमदान



नई दृष्टिविदु / राजनांदगांव

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सेवा मेरा योगदान के तहत नगर पंचायत भूमा का आज स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान शीतला तालाब सहित नगर के विभिन्न स्थानों में व्यापक साफ-सफाई की गई। जिसका उद्देश्य नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ स्वच्छ एवं सुरक्षित नगरों में सामूहिक सहभागिता की बढ़ावा देना रहा।

अभियान में मुख्य नगर पालिका अधिकारी ज्ञानेश्वर प्रसाद देवदास, नगर के जनप्रतिनिधि, नगर पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी, स्वच्छता कर्मांदी एवं स्वच्छता कर्मियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी ने श्रमदान करते हुए सार्वजनिक स्थलों, तालाब परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई की तथा एकत्रित कचरे का समुचित निपटान किया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं कर्मचारियों ने नागरिकों से अपने आसपास के सावधानी स्थलों को स्वच्छ रखने, कचरा निर्धारित स्थान पर डालने तथा स्वच्छता कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का संदेश दिया। स्वच्छ नगर-स्वस्थ नगर की भावना के साथ आयोजित इस अभियान में सामूहिक सहभागिता ने स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाने का संदेश दिया।

प्रदेश के प्रतिभावात युवाओं को मिलेगा युवा रत्न सम्मान स्वेच्छक संगठन को 5 लाख की सम्मान राशि

बेमेतरा। युवा रत्न सम्मान एवं स्वेच्छक संगठनों द्वारा सामाजिक, सांस्कृतिक, राज्य संपन्न द्वारा प्रदेश के युवाओं साहित्यिक, शैक्षणिक, खेल तथा अन्य विविध क्षेत्रों में किये गये उत्कृष्ट कार्यों को प्रोत्साहित करने एवं राज्य स्तर पर मान्यता प्रदान करने के उद्देश्य से युवा रत्न सम्मान योजना के लिए 30 अक्टूबर तक आवेदन आमंत्रित किये जायेंगे।

योजना अन्तर्गत प्रतिवर्ष 01 स्वेच्छक संगठन तथा 14 विभिन्न क्षेत्रों में 01-01 उत्कृष्ट युवा को सम्मानित किये जाने का प्रावधान है। चयनित स्वेच्छक संगठन को पदक, प्रमाणपत्र एवं सम्मान स्वरूप 5 लाख रुपए तथा उत्कृष्ट युवा को 2.50 लाख रुपए की सम्मान राशि तथा अन्य युवा रत्न सम्मान हेतु चयनित प्रत्येक युवा को 1 लाख की सम्मान राशि प्रदान की जाती है। अतः पात्र युवाओं एवं संगठनों से 30 अक्टूबर तक आवेदन आमंत्रित किये जायेंगे। प्राप्त आवेदनों का जिला स्तरीय चयन निर्माणक समिति के माध्यम से नियमावलीनुसार परीक्षण एवं सत्यापन कर पात्र आवेदनों की राज्य स्तर पर अनुसूची की जायेगी।

ग्राम बासुला, सिंधोला, ओडारबांध, घोघरे, ग्राम पिनकापार में मोबाईल कैम्प और ई-केवायसी शिविर का हुआ आयोजन

राजनांदगांव। श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों की समस्याओं के समाधान के लिए एसओओ अंतर्गत जिले के नगरिय निचयों के वाडों एवं ग्राम पंचायतों में मोबाईल कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। मोबाईल कैम्प के माध्यम से श्रमिकों के कल्याण के लिए चलाए जा रहे शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जा रही है तथा पात्र आवेदक को योजनाओं से लाभान्वित करने आदेशन प्राप्त किए जा रहे हैं। इसी क्रम में राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम बासुला एवं सिंधोला, डोंगरगांव विकासखंड के ओडारबांध, छुरिया विकासखंड के ग्राम घोघरे, डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम पिनकापार में मोबाईल कैम्प एवं ई-केवायसी शिविर का आयोजन किया गया। इन मोबाईल कैम्प एवं ई-केवायसी शिविर में 351 श्रमिक उपस्थित हुए। छलीसागढ़ भवन एवं अन्नसिन्धीमर्कमकार कल्याण मण्डल अंतर्गत तथा छलीसागढ़ अग्रगणित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मण्डल अंतर्गत 72 श्रमिकों का नये श्रमिक पंजीयन हेतु आदेशन किया गया।

सेवा संकल्प अभियान स्वच्छता की ओर बढ़ते कदम, बेमेतरा जिला बना मिसाल

घर-घर कचरा प्रबंधन से बदल रही गांवों की तस्वीर

नई दृष्टिविदु / बेमेतरा

सेवा संकल्प अभियान के तहत बेमेतरा जिले में स्वच्छता और जनभागीदारी को नई गति मिल रही है। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत गांवों में घर-घर कचरा संग्रहण, कचरे का पृथक्करण, वैज्ञानिक निपटान और जैविक खाद निर्माण जैसे कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रों की तस्वीर लगातार बदल रही है। जनपद पंचायत साक्षरता की ग्राम पंचायत दास प्रतिष्ठित जिले के अनेक गांव स्वच्छता प्रबंधन में वैभव बन रहे हैं। इस अभियान की सबसे मजबूत कड़ी महिला स्वच्छता समूह और स्वच्छता दलियां हैं, जो घर-घर पहुंचकर कचरा संग्रहण और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का कार्य कर रही हैं।

मिले के गांवों में नियमित रूप से घर-घर कचरा संग्रहण किया जा रहा है। ग्रामीणों को गोला, सूखा, सैनेटरी और विशेष कचरे को



अलग-अलग रखने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके लिए चॉल पेंटिंग, मुनादी और स्वच्छता दलियां के घर-घर संपर्क के माध्यम से जैविक खाद निर्माण के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। इससे कचरे को बौझ न मानकर उपयोगी संसाधन के रूप में इस्तेमाल करने की दिशा में ग्रामीणों को प्रोत्साहन मिल रहा है। महिला स्वच्छता समूह सूखे कचरे को

गोले कचरे से बन रही जैविक खाद: गोले कचरे के उपयोगी निपटान के लिए ग्राम पंचायत और महिला समूहों को नाडो पंचों के माध्यम से जैविक खाद निर्माण के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। इससे कचरे को बौझ न मानकर उपयोगी संसाधन के रूप में इस्तेमाल करने की दिशा में ग्रामीणों को प्रोत्साहन मिल रहा है। महिला स्वच्छता समूह सूखे कचरे को

सेग्रीगेशन शेड में लाकर उसकी छंटई करते हैं। प्लास्टिक सहित अन्य पुनर्चक्रणीय चीजें सामग्री को अलग कर संवर्धित प्लास्टिक बैरट मैजिमेंट यूनिट, कबाड़ी एवं रीसाइकलरों तक पहुंचाया जाता है। इस पूरी प्रक्रिया में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से स्वच्छता के साथ-साथ उनके समूहों को आर्थिक रूप से मजबूत करने का अवसर भी मिल रहा है।

सोख पिट से गांवों में जलभराव पर नियंत्रण: गांवों की गलियों और मोहरलों में वेकार पानी न बहे, इस लिए आवश्यक स्थानों पर सोख पिट का निर्माण कराया जा रहा है। इससे गांवों को स्वच्छ रखने और गंदे पानी के उचित निपटान में मदद मिल रही है। गांवों की मुख्य सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर कचरा जमा न हो, इसके लिए लगातार निर्माण की जा रही है। साथ ही सामुदायिक शौचालयों के सुचारु संचालन और रखरखाव पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

महाविद्यालय में एनएसएस स्थापना दिवस पर हुआ स्वास्थ्य शिविर

नई दृष्टिविदु / बेमेतरा

शासकीय नवीन महाविद्यालय बेमेतरा में राष्ट्रीय सेवा बोर्ड द्वारा स्थापना दिवस के अवसर पर व्याख्यान एवं एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में वरिष्ठ एनएसएस स्वयंसेवक मनीष वर्मा उपस्थित रहे। उन्होंने एनएसएस के उद्देश्यों, कार्यप्रणाली और समाज से मां स्वयंसेवकों की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा युवाओं को सामाजिक उत्तरदायिता से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. आस्था तिवारी ने एनएसएस की गतिविधियों की जानकारी देते हुए स्वयंसेवकों को निरन्तर रूप से सेवा और सामाजिक जागरूकता के कार्यों में भाग लेने का आह्वान किया। एनएसएस अधिकारी वरुणज पाठाने ने स्वयंसेवकों को अनुशासन, सेवा



भावना और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी। इस दौरान स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से सेवा और जागरूकता का संदेश दिया। इस अवसर पर एमएसएस बेमेतरा की स्वास्थ्य टीम द्वारा मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। टीम में डॉ. आकाश खट्टे, फार्मासिस्ट जीवन लाल, लैब टेक्नीशियन चेतली एवं भाग लिया।

नर्स सैल बंजारे शामिल रहे। शिविर में विद्यार्थियों को स्वास्थ्य परीक्षण कर परामर्श दिया गया और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापक आनंद कुमार कुरी, आशीष एकता, सुब्रह्म धुव, मिर्जिता वन, अतिथि व्याख्याता डॉ. प्रीतिबाला ताम्रकार, रोशनी साहू सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

भावना बोहरा ने 1.95 करोड़ के विकास कार्यों का किया लोकार्पण व भूमिपूजन



नई दृष्टिविदु / कवर्धा

नगर पंचायत इंदौरी में नागरिक शिवाओं के विस्तार और अव्योसंचना विकास को गति देते हुए पंडरिया विधायक भावना बोहरा 1 करोड़ 95 लाख 94 हजार रुपये की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें 1 करोड़ 45 लाख 97 हजार रुपये के कार्यों का भूमिपूजन तथा 49 लाख 97 हजार रुपये के कार्यों का लोकार्पण शामिल है। इन विकास कार्यों से नगर पंचायत इंदौरी में क्षेत्रवासियों की मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ ही नगर के सौन्दर्यकरण को भी नई पहचान मिलेगी।

विधायक भावना बोहरा ने भारत माता चौक निर्माण एवं सौन्दर्यकरण कार्य तथा मां कर्मा माता चौक का लोकार्पण किया। वहीं 45 करोड़ 14 में मुक्तिधाम विकास प्रकाश, प्रकाश साहू, श्रीमती दुर्गा साहू, दादराम छेत्रवा, श्रीमती आरती नारंग, श्रीमती मिल्की गंगासागर चंडन, उमेश दास बघेल, अमरन उदयन, ज्ञानेश डहरिया, भरत भूमिपूजन कर समेत नगरवासियों को बड़ाई व शुभकामनाएं।

भावना बोहरा ने कहा इंदौरी नगर के विकास और नागरिकों की आवश्यकताओं के अनुसार मूलभूत

सुविधाओं को मजबूत करने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। भारत माता चौक और मां कर्मा माता चौक जैसे कार्य से नगर की नई पहचान बनेगा। मुक्तिधाम, मंगलिक भवन और दुकानों के निर्माण से स्थानीय नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। हमारा प्रयास है कि विकास का लाभ नगर के प्रत्येक वार्ड और प्रत्येक परिवार तक पहुंचे। कार्यक्रम में नगर पंचायत इंदौरी के प्रभारी रोहन दुबे, नगर पंचायत इंदौरी की प्रभारी मिनिता बाई मांसेल, उपाध्यक्ष जसवंत साहू, मंडल अध्यक्ष खिलेश्वर साहू, विधायक प्रतिनिधि रामसुख जायसवाल, मंडल महामंत्री मनोज बंजारे, राजू चंदवंशी, नरद साहू, श्रीमती सुखमणी गोस्वामी, हिरचंद सिन्हा, श्रीमती तुलजा आहिले, प्रकाश साहू, श्रीमती दुर्गा साहू, दादराम छेत्रवा, श्रीमती आरती नारंग, श्रीमती मिल्की गंगासागर चंडन, उमेश दास बघेल, अमरन उदयन, ज्ञानेश डहरिया, भरत भूमिपूजन कर समेत नगरवासियों को बड़ाई व शुभकामनाएं। भावना बोहरा ने कहा इंदौरी नगर के विकास और नागरिकों की आवश्यकताओं के अनुसार मूलभूत

सुरहोली-कुसमी मार्ग पर आकाशीय बिजली गिरने से दो मजदूरों की मौत, मामले में जांच व कार्यवाही जारी

नई दृष्टिविदु / बेमेतरा

थाना बेरला क्षेत्रांतर्गत ग्राम सुरहोली-कुसमी मार्ग पर आकाशीय बिजली की चोट में आने से दो मजदूरों की मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलने पर थाना बेरला पुलिस द्वारा मर्ग इंटीमेशन कर कर शव पंचनामा की कार्यवाही की गई। मामले की जांच जारी है।

मायमों का विवरण: सूचनाकर्ता पापन राजवंशी, पिता अमला राजवंशी, उम्र 29 वर्ष, निवासी ग्राम धुमादिनी, थाना मालदा, जिला मालदा, पश्चिम बंगाल, हाल ग्राम दाबा, चौकी कंडरका, थाना बेरला, जिला बेमेतरा ने मर्ग इंटीमेशन दर्ज कराया।

सूचनाकर्ता ने बताया कि यह लेबर ठेकेदार का कार्य करता है। उसके भाई मनोज राजवंशी तथा पड़ोस के गांव के जगदीश राजवंशी सहित अन्य मजदूर ग्राम



सुरहोली में टावर लगाने के कार्य में लगे हुए थे। दिनांक 23 सितंबर 2026 को सुबह करीब 8 बजे मनोज राजवंशी एवं

जगदीश राजवंशी मोटरसाइकिल से ग्राम दाबा से ग्राम सुरहोली टावर लगाने के कार्य से गए थे। दोपहर करीब 1 बजे दोनों

मजदूर लंच के दौरान ग्राम कुसमी ने नास्ता लेकर आने की बात कहकर मोटरसाइकिल से निकले थे। इसी दौरान क्षेत्र में तेज बारिश के साथ आकाशीय बिजली चमक रही थी। करीब 2 बजे ग्राम कुसमी से सुरहोली मार्ग पर डी बाउली तालाब के पास बरफ के पेड़ के नीचे दोनों मजदूर मृत अवस्था में मिले।

घटना के संबंध में सुरहोली में टावर लगाने के कार्य में लगे पाथे देव सरकार एवं संजीत सरकार से पुष्टता करने पर उन्होंने भी बताया कि तेज बारिश एवं आकाशीय बिजली के दौरान दोनों मजदूर उक्त मार्ग से ग्राम कुसमी की ओर गए थे। प्राथमिक जानकारी के अनुसार आकाशीय बिजली गिरने से मनोज राजवंशी के सिर एवं बाएं पैर में जलने एवं चोट के निशान पाए गए हैं। वहीं मृतक जगदीश राजवंशी के कपड़े आकाशीय

बिजली की चोट में आने से जलकर फट गए तथा उसके बाएं पैर में भी जलने एवं चोट के निशान पाए गए हैं।

मृतकों के नाम
मनोज राजवंशी, पिता अमल राजवंशी, उम्र 26 वर्ष, निवासी ग्राम धुमादिनी, थाना मालदा, जिला मालदा, पश्चिम बंगाल, हाल ग्राम दाबा, चौकी कंडरका, थाना बेरला, जिला बेमेतरा।

जगदीश राजवंशी, पिता मजम राजवंशी, उम्र 25 वर्ष, निवासी बंगाल, थाना मालदा, जिला मालदा, पश्चिम बंगाल, हाल ग्राम दाबा, चौकी कंडरका, थाना बेरला, जिला बेमेतरा। सूचक की रिपोर्ट पर थाना बेरला पुलिस द्वारा मर्ग इंटीमेशन कायम कर शव पंचनामा कार्यवाही की गई है। घटना के संबंध में आवश्यक जांच एवं वैधानिक कार्यवाही जारी है।

पद्मश्री डॉ. अनिल रस्तोगी सहित विभिन्न क्षेत्र की महान विभूतियां किए गए सम्मानित

खुशी फाउंडेशन ने किया 'सेवा शिखर सम्मान' समारोह का आयोजन, राजनीति नहीं, समाज बने शक्ति केंद्र : प्रो. संजय द्विवेदी

नई दृष्टिबिंदु / लखनऊ

खुशी फाउंडेशन और दिशा एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान में मापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पी.एस.आई. इंडिया) के सहयोग से शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संस्थान के सभागार में विश्व सेवा शिखर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में विविध क्षेत्रों की महान विभूतियों को 'सेवा शिखर' और 'सेवा गौरव सम्मान' से नवाजा गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लखनऊ पूर्वी विधायकसभा क्षेत्र के विधायक ओपी श्रीवास्तव रहे। समारोह की अध्यक्षता भारतीय जनसंघ संस्थान (आईआईएमसी), नई दिल्ली के पूर्व महानिदेशक प्रो. डॉ. संजय द्विवेदी ने की।

इस मौके पर प्रो. डॉ. संजय द्विवेदी ने कहा कि हमें नया समाज दर्शाना चाहिए जिसमें विधायक नहीं 'लोक' केंद्र में हैं। समाज का दर्शन और राजनीति में अलग-अलग-अलग हैं। राजनीति का काम विच्छेदन है, जबकि विधान जुड़ना चाहता है। उन्होंने कहा कि राजनीति समाज को लड़ाकर, कड़वाहट पैदाकर अपने लक्ष्य साधन करती है। ऐसे में राजनीति और समाज में अंतर करने की जरूरत है। इसके लिए समाज को ही शक्ति केंद्र बनाना होगा। सामाजिक संस्कृति पैदा करना आज की बड़ी जरूरत है। ऐसे आयोजन समाज में



ओलंपियन सुजीत कुमार को सम्मानित करते हुए प्रोफेसर संजय द्विवेदी

सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। जहां अपने-अपने क्षेत्र में उजाला फैला रही प्रतिभाओं को सम्मानित किया जा रहा है। समारोह के मुख्य अतिथि विधायक ओपी श्रीवास्तव ने इस भव्य आयोजन के लिए खुशी फाउंडेशन व दिशा एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसाइटी की सराहना की और कहा कि विभिन्न क्षेत्रों की महान विभूतियों का चयन एक कठिन कार्य है, जिसे संस्था ने बहुत ही शानदार तरीके से निभाया है। इसके साथ ही समाज के कमजोर वर्ग के दिशा में किये जा रहे उद्यमों का सराहना। भाजपा नेता एवं विधायक पारिवर सदन्य संतोष सिंह ने कहा कि समाज की प्रगति केवल संसाधनों से ही नहीं बल्कि उन

लोगों के समर्पण, साहस और निरंतर प्रयासों से होती है, जो कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने कार्यक्षेत्र में असाधारण योगदान देते हैं। विशिष्ट अतिथि पीएसआई इंडिया के डिप्टी डायरेक्टर समरेन्द्र बेहरा ने कहा कि समाज व्यक्ति के कठिन परिश्रम, समर्पण और महत्त्वपूर्ण उपलब्धियों का एक प्रमाण होता है। विभिन्न क्षेत्रों की जितनी महान विभूतियां को यहीं सम्मानित किया गया वह सभी हम लोगों के लिए प्रेरणादायक हैं।

समानिती हार दिग्गज: इस मौके पर सेवा शिखर सम्मान से विशेष रूप से लखनऊ की नई बल्कि देश की शान पद्मश्री डॉ. अनिल कुमार रस्तोगी, चिकित्सा के क्षेत्र में कल्याण

सिंह सुपर स्पेशियलिटी केंसर संस्थान, लखनऊ के निदेशक डॉ. एमएलबी भट्ट, अनुभवी चिकित्सक व श्वसन रोग विशेषज्ञ डॉ. आशुतोष कुमार दुबे, महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में प्रतिष्ठित लेखिका, रणनीतिकार, कोशल विकास विशेषज्ञ एंज प्रेरणादायी महिला नेतृत्वकर्ता निशा सिंह, एसओ पीजीआई की डॉ. निरुपमा सिंह, समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए पीएसआई इंडिया व समाजसेवी डॉ. उर्वशी साहनी, खेल के क्षेत्र में वर्ष 1988 के सियोल ओलंपिक में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले सुजीत कुमार, पत्रकारिता के क्षेत्र में राम अरुण विवेदी, आदर्श प्रकाश सिंह, मनोष पाण्डेय, हरी मोहन वाजपेयी माधव व दिनेश श्रीवास्तव, शिक्षा के क्षेत्र में जय नारायण मिश्रा पीजी कॉलेज, लखनऊ के प्राचार्य प्रो. कौशल किशोर शुक्ला, डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ के समाजशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डॉ. शिवानी कटार, उद्यमिता के क्षेत्र में सौरभ श्रीवास्तव, कृषि के क्षेत्र में इनवायन्य नगरी ऑर्गेनिक फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के सम्मानित किया गया। सेवा गौरव सम्मान से सम्मानित होने वालों में पीएसआई इंडिया के नीरज मिश्रा व पारल सक्सेना, डॉ. स्वर्णमा सिंह, डॉ. अप्रमय सिंह, अनुरा श्रीवास्तव, धिक्का शर्मा, रवीना विजयन आदि शामिल रहे।

डौंडी जनपद पंचायत की बैठक हंगामेदार विधायक प्रतिनिधि ने उठाए कई अहम मुद्दे



नई दृष्टिबिंदु / डौंडी

जनपद पंचायत डौंडी के सभाकक्ष में आयोजित साधारण सभा की बैठक विभिन्न जनहित के मुद्दों को लेकर काफी हंगामेदार रही। बैठक में विधायक प्रतिनिधि पीपुष सोनी सहित कांग्रेस समर्थित जनपद सदस्यों ने फसल बीमा, राशन कार्ड, एगरो स्टेंग, राजस्व प्रकरणों के निराकरण, स्वास्थ्य सुविधाओं, नल-जल योजना सहित अन्य मुद्दे जोर-शोर से उठाए। सदस्यों ने अधिकारियों से संबंधित मामलों का शीघ्र निराकरण करने की मांग की। विधायक प्रतिनिधि पीपुष सोनी ने भरीटीला 36 में सीजीएमएससी के तहत निर्माणधीन उपस्वास्थ्य केंद्र का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों से निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है। इस पर विधायक अधिकारी ने बजट के अभाव को निर्माण में देरी का कारण बताया। सोनी ने कहा कि स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधा से जुड़े निर्माण के लिए बजट उपलब्ध नहीं होना गंभीर विषय है। एगरो स्टेंग के कारण किसानों को हो रही परेशानी का मुद्दा भी बैठक में प्रमुखता से उठा। विधायक प्रतिनिधि ने कहा कि राजस्व विभाग में बड़ी संख्या में मामले लंबित हैं। यदि इनका शीघ्र निराकरण नहीं हुआ तो किसानों को धान बेचने में परेशानी हो सकती है। उन्होंने फसल बीमा की राशि का भी मुद्दा उठाते हुए कहा कि किसानों को पिछले दो वर्षों से पूरी राशि नहीं मिल पाई है। पीपुष सोनी ने राशन कार्ड कटौत जाने का मुद्दा उठाते

हुए कहा कि आबादी बढ़ रही है, ऐसे में राशन कार्ड की संख्या भी बढ़नी चाहिए। उन्होंने कहा कि राशन कार्ड कम होने से गरीब और जरूरतमंद हितग्राही सार्वजनिक वितरण प्रणाली के राशन से वंचित हो सकते हैं। इसके अलावा बीपीएल राशन कार्ड के आधार पर मिलने वाली विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ भी प्रभावित होने की आशंका जताई गई। बैठक में खाद्य अधिकारी ने डौंडी ब्लॉक में राशन कार्ड कटौत की बात स्वीकार की। कुसुमका क्षेत्र की जनपद सदस्य मंजु वैस ने स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ चिकित्सक का अन्यत्र स्थानांतरण किए जाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने चिकित्सक को पुनः कुसुमका स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ करने की मांग की। विधायक प्रतिनिधि पीपुष सोनी ने भी मांग का समर्थन करते हुए जिला चिकित्सा अधिकारी से दूरपास पर चर्चा की। अधिकारी ने दस दिनों के भीतर चिकित्सक को वापस कुसुमका स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ करने का आश्वासन दिया। बैठक में ग्राम आइश्वर्य, विटाल और जाबूदबाही में नल-जल योजना शुरू नहीं होने का मामला भी उठा। विधायक प्रतिनिधि ने कहा कि योजना शुरू नहीं होने से ग्रामीणों को पेवजल के लिए परेशानी उठानी पड़ेगी। वहीं, पीपुष विभाग के एएसडीओ ने बताया कि संबंधित गांवों में पानी का पर्याप्त सोल नही होने के कारण योजना शुरू नहीं की जा सकती है। इस पर सोनी ने सवाल किया कि जब पानी का स्रोत उपलब्ध नहीं था तो पाइपलाइन क्यों बिछाई गई। एएसडीओ ने पुनः बोर करवाने का आश्वासन सदन को दिया।

पं. दीनदयाल उपाध्याय के विचारों में अंत्योदय और राष्ट्रसेवा का मार्ग - मंत्री गजेन्द्र यादव

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की अंत्योदय पर दुर्ग बस स्टैंड स्थित प्रतिमा पर केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने पुष्पहार अर्पित कर नमस्कार किया।

इस अवसर पर मंत्री यादव ने कहा कि दीनदयाल जी का जीवन राष्ट्रसेवा और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के उन्माद के लिए समर्पित रहा। उन्होंने राजनीति की जगह का नहीं, सेवा का साधन माना। उनका अंत्योदय का विचार आज भी जनकल्याण और समावेशी विकास का मार्गदर्शन करता है।

एकात्म मानववाद भारतीय संस्कृति और राष्ट्रहित को केंद्र में रखकर समग्र विकास की दृष्टि देता है। यादव



रायगढ़ GST विभाग मौन, मीना बाजार में करोड़ों की वसूली, सरकार को लगाया चूना

गेट पास से ही करीब 2 करोड़ की कमाई का दावा, टेक्स चोरी और कथित संरक्षण को लेकर उठे सवाल

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

जन्माष्टमी के अवसर पर रायगढ़ में लगे मीना बाजार को लेकर बहल में इन दिनों करोड़ों रुपये की वसूली और टेक्स अनुपालन को लेकर चर्चाएं तेज हैं। सूत्रों के मुताबिक लगभग एक माह से चल रहे इस बाजार में 5 से 7 लाख लोगों के प्रवेश की चर्चा है। प्रवेश टिकट से 2 करोड़ तक की वसूली का दावा किया जा रहा है वहीं इस मामले में GST विभाग की चुप्पी पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। प्रत्येक व्यक्ति से प्रवेश के नाम पर 30 लिए जाने की स्थिति में केवल गेट पास से ही करीब 1.50 करोड़ से 2.10 करोड़ तक की वसूली का अनुमान लगाया जा रहा है।

बाकी पूरे व्यापारिक परिसर की कमाई अलग है पूरे मेला स्थल में कई करोड़ का लेनदेन होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। चर्चा यह भी है कि प्रवेश के लिए जारी किए गए टिकटों में GST नंबर सहित आवश्यक कर संबंधी विवरण स्वरूप से दर्ज नहीं हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि इतनी बड़ी राशि की टिकट विक्री और उससे होने वाली आय का हिसाब-किताब क्या है और सरकार को नियमानुसार कितना राजस्व प्राप्त हुआ? अब सवाल सीधा है—मीना बाजार की कुल टिकट विक्री कितनी हुई, सरकार को कितना GST मिला और करोड़ों की संपादित वसूली का वास्तविक हिसाब क्या है?

स्थानीय लोगों की मांग है कि संबंधित विभाग टिकट विक्री, GST भुगतान और आयोजन के

वित्तीय लेनदेन की निष्पक्ष जांच करे, ताकि मीना बाजार को करोड़ों की कमाई को लेकर चल रही चर्चाओं की वास्तविकता सामने आ सके।

छोटे कारोबारियों पर सख्ती, मीना बाजार पर मेहरवाजी क्यों?

स्थानीय व्यापारियों के बीच यह सवाल चर्चा में है कि GST विभाग छोटे-बड़े कारोबारियों से लगातार दलालेज और टेक्स का हिसाब मांगता है, लेकिन लाखों लोगों से प्रवेश शुल्क वसूलने वाले तथा महेश एक महीने में ही कई करोड़ के लेनदेन करने वाले मेला परिसर मीना बाजार को लेकर विभाग की ओर से अब तक कोई स्पष्ट कार्रवाई या जांच सामने क्यों नहीं आई? क्या सब कुछ पहले से ही सेट है या मीना बाजार संचालकों के इस टेक्स चोरी के मामले में रायगढ़ जीएसटी विभाग का कोई लेना देना नहीं है क्या इस मामले में अब केंद्रीय जीएसटी विभाग को संज्ञान लेना होगा?

कथित कमीशन के आरोपों से गरमाया मामला

सबसे गंभीर चर्चा मीना बाजार की कथित कमाई में कुछ जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को कमीशन दिए जाने को लेकर है। हालांकि इन आरोपों को स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यदि ये आरोप सही हैं तो यह केवल टेक्स का मामला नहीं बल्कि प्रशासनिक

संरक्षण और भ्रष्टाचार की जांच का भी विषय बन सकता है। बताया जा रहा है कि मीना बाजार की कथित विरोध और संरक्षण का खेल शुरू से ही चल रहा है रायगढ़ में मीना बाजार लगे को लेकर अनुमति देने और अनुमति निरस्त करने की घटनाक्रम को भी प्रशासनिक उदासीनता के तौर पर देखा जा रहा है। लोग अभी सवाल पुछ रहे हैं कि प्रशासन ने मीना बाजार लगाए जाने को लेकर पहले अनुमति देने के बाद अनुमति नहीं निरस्त की थी और तो मेच दो दिनों के बाद ही पुनः मीना बाजार लगाने की अनुमति क्यों दी गई? इस घटनाक्रम को मीना बाजार संचालकों के रसूख और राजनीतिक संरक्षण के तौर पर भी देखा जा रहा है।

गेट पास के अलावा दुकानों से भी करोड़ों का कारोबार

मीना बाजार में केवल प्रवेश शुल्क से ही कमाई नहीं होती। पूरे मेला परिसर में खान-पान, कपड़े, खिलौने, घरेलू सामान, सौंदर्य सामग्री, मनोरंजन, झूले और अन्य कई प्रकार की दुकानें लगनी हैं। पूरे महीने इन दुकानों पर भी बड़े पैमाने पर नकद और डिजिटल लेनदेन होने की चर्चा है। स्थानीय स्तर पर यह सवाल उठ रहा है कि यदि गेट पास से ही करीब 2 करोड़ रुपये तक की वसूली का अनुमान है, तो पूरे मेले में दुकानों, झूलों और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों को मिलाकर कुल कितने करोड़ रुपये का कारोबार हुआ होगा?

भिलाई-दुर्ग में अनवरत बारिश से जनजीवन हुआ अस्त-व्यस्त

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-दुर्ग

दिनसिटी भिलाई और दुर्ग में गुरुवार से जारी अनवरत बारिश ने आम जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर डाला है। भादों के महीने में हो रही इस मुसलाधार बारिश ने लोगों को सार्वजनिक की इडली का अहसास करा दिया है। लगातार बारिश के चलते मुख्य मार्गों से लेकर निचली बस्तियों तक चारों ओर जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई है। कई प्रमुख सड़कें नालों में तब्दील हो चुकी हैं, जिससे नागरिकों का अपने घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। भिलाई में स्थिति काफी विकराल बनी हुई है। सुपेला का लक्ष्मी मार्केट, आर्य नगर कोहका, प्रियदर्शिनी परिसर और भिलाई डाउनसिटी के कई सेक्टर जलमग्न हो गए हैं, जिससे रहवासियों को भारी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। सुपेला का प्रसिद्ध आकाशगंगा मार्केट में भी बारिश का पानी दुकानों के बाहर जमा हो गया है, जिससे व्यापारिक गतिविधियां पूरी तरह प्रभावित हुई हैं।

जलमग्न हुई निचली बस्तियां और सड़कें नाले में तब्दील



इसके अतिरिक्त पावर हाउस, केम्प और खुसीपुर क्षेत्रों में भी जलमग्न के कारण आपत की स्थिति बन गई है। भिलाई-3 चरोदा क्षेत्र की निचली बस्तियों में भी पानी भर जाने से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

दुर्ग शहर की हालत भी बेहद चिंताजनक है। गंजपाड़ा, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन मार्ग पर दो से तीन फीट तक पानी भर जाने के कारण यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। सड़कों पर जलभराव से सबसे ज्यादा परेशानी दुपहिया

वाहन चालकों को उठानी पड़ रही है, कई वाहन पानी में बंद हो जाने से लोग पैदल हो गाड़ियों को घसीटते नजर आए।

बारिश के साथ चले तेज हवा के झोंकों के कारण भिलाई डाउनसिटी स्थित फॉरेस्ट एवेन्यू मार्ग पर एक विशालकाय पेड़ जड़ से उखड़कर सड़क पर आ गया, जिससे मार्ग में आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई।

वहीं, डाउनसिटी और पटरी पर इलाकों को जोड़ने वाले सुपेल स्थित चंदा-मौवा अंडरब्रिज तथा प्रियदर्शिनी परिसर रेलवे अंडरब्रिज तालाब व पानी भर जाने से बंद हो गए हैं। नेहरू नगर अंडरब्रिज के पास वाहनों की ऊंचाई नियंत्रित करने के लिए लगाया गया लोहे का गेट अचानक गिर गया, जिसके चलते उस मार्ग का संपर्क भी बंद गया है।

जिला व नगर निगम प्रशासन द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्य चलाने और जल निकासी की व्यवस्था करने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन अनवरत हो रही बारिश के कारण राहत कार्यों में काफी दिक्कत आ रही है।